RNI No:-MPHIN/2008/24599 डाक पंजीयन:-एमपी/SDL-0019/2026-2028 Epaper:- www.fatwasamachar.com

फतवा

प्रत्येक गुरुवार को प्रकाशित भोपाल और छत्तीसगढ़ का लोकप्रिय समाचार आपका विश्वास

वर्ष -17 अंक-30 अनूपपुर-24 से 30 जुलाई 2025 पृष्ठ-08 मूल्य-02 रुपये पेज 02 ऑनलाईन भुगतान

प्रमुख संक्षिप्त

चंदन मिश्रा हत्याकांड के 2 शूटर मुठभेड़ में घायल

आरा। बिहार के आरा में स्पेशल टास्क फोर्स और गैंगस्टर चंदन मिश्रा की हत्या से जुड़े कुछ आरोपियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इसमें दो बदमाशों को गोली लगी है। एक को गिरफ्तार किया गया है। हथियार भी बरामद किए गए हैं। एटीएस को गैंगस्टर मर्डर केस से जुड़े 3 अपराधियों बलवंत, रवि रंजन और अभिषेक के बिहियां थाना क्षेत्र में होने की सूचना मिली थी। टीम ने मंगलवार सुबह 5 बजे कटिया रोड के पास उन्हें घेर लिया। बदमाशों को सरेंडर करने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में बलवंत और रवि रंजन को पैर में गोली लगी है। दोनों को आरा सदर अस्पताल भेजा गया है। अभिषेक को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके पास से दो पिस्टल, एक देसी कट्टा, दो मैगजीन और 4 कारतूस बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ में एटीएस के 2 जवान रोहित कुमार और उत्तम कुमार भी जख्मी हुए हैं।

6 साल की बच्ची से गैंगरेप

पानीपत। हरियाणा के पानीपत में 6 साल की बच्ची का अपहरण कर उसके साथ गैंगरेप किया गया। बच्ची अपनी मां के पास सोई थी। रात को पड़ोसी दीवार फांदकर घर में घुसा और बच्ची को मुंह दबाकर पड़ोस के ही एक खंडहर मकान में ले गया। यहां पहले से उसका एक साथी मौजूद था। दोनों ने बारी-बारी से रेप किया। इस दौरान उन्होंने बच्ची की डंडे से पिटाई भी की। वारदात के बाद अर्धनग्न हालत में बच्ची घर पहुंची और मां को जगाया। मां ने खून से सनी टी-शर्ट देखी तो उससे सारी बात पूछी। इसके बाद माता-पिता ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। दूसरा अभी फरार है। वारदात देर रात 2 बजे की है।

एयरपोर्ट पर पकड़ाया 28 किलो सोना

सूरत। गुजरात के सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोने की एक बड़ी तस्करी की कोशिश को सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की विजिलेंस टीम ने दुबई से सूरत आई एयर इंडिया की फ्लाइट आईएक्स-174 से उतरे दो यात्रियों की संदिग्ध गतिविधि देखी तो उन्हें रोक लिया। उनके सामान और शरीर की जांच के बाद पेस्ट के रूप में लगभग 28 किलो सोना बरामद किया गया। सूरत एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक सूरत एयरपोर्ट पर पकड़ी गई ये सबसे बड़ी सोने की खेप है। आरोपी उस समय पकड़े गए जब रात करीब 10 बजे दुबई की फ्लाइट आई। सीआईएसएफ की विजिलेंस यूनिट हवाई अड्डे के इंटरनेशनल आगमन क्षेत्र में सुरक्षा जांच में जुटी थी। इसी दौरान इन दो यात्रियों के चलने का तरीका, बातचीत की शैली और सुरक्षा जांच से बचने की कोशिशों से अधिकारियों को शक हुआ।

लैंड करते ही एयर इंडिया की फ्लाइट के पिछले हिस्से में लगी आग सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। हांगकांग से दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर लैंड करते ही एयर इंडिया की फ्लाइट के पिछले हिस्से में आग लग गई। साथ ही सारे पैसेंजर्स और क्रू के सदस्य सुरक्षित उतर गए। एयर इंडिया की तरफ से इस पर आधिकारिक बयान जारी किया गया है। एयर इंडिया के अनुसार घटना डिसएंबार्किंग के दौरान हुई। इस बयान के अनुसार मंगलवार, 22 जुलाई को हांगकांग से दिल्ली आ रही फ्लाइट संख?या एआई 315 के गेट पर उतरने और खड़े होने के कुछ ही देर बाद उसमें ऑग्जिलरी पावर यूनिट (एपीयू) में आग लग गई। एयरलाइन के अनुसार यह घटना तब हुई जब यात्री उतरने लगे थे। सिस्टम डिजाइन के अनुसार एपीयू ऑटोमैटिकली बंद कर दिया गया। एयरक्राफ्ट को कुछ नुकसान हुआ है। एयरलाइन के अनुसार विमान को आगे की जांच के लिए रोक दिया गया है और नियामक को सूचित कर दिया गया है।

ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले को मिलेंगे सात करोड़

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसला लिया है। दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने जानकारी दी है कि ओलंपिक में जीतने वाले विजेताओं को सरकार की ओर से कैश रिवॉर्ड को बढ़ा दिया गया है। प्रेस वार्ता में मंत्री आशीष सूद ने बताया कि ओलंपिक गेम्स में गोल्ड जीतने वाल खिलाड़ी को सात करोड़ रुपये, सिल्वर मेडल जीतने वालों को पांच करोड़ रुपये और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वालों को तीन करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

मंत्रि-परिषद ने सांख्यिकी से समृद्धि के लिए डाटा सुदृढ़ीकरण योजना को दी स्वीकृति

गांधीसागर जल विद्युत गृह की इकाइयों के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण का अनुमोदन

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के अंतर्गत सांख्यिकी संबंधी आंकड़ों का समयावधि में संकलन (डाटा कलेक्शन) एवं विश्लेषण कर विभागों, आमजन एवं योजनाविदों के उपयोग के लिए आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश में %%डाटा सुदृढ़ीकरण योजना%% की स्वीकृति प्रदान की गयी। राज्य सरकार इस योजना के माध्यम से ÷सांख्यिकी से समृद्धि÷ की दिशा में एक नई पहल कर रही है। योजना से सरकार को डाटा के आधार पर बेहतर और सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी। साथ ही डाटा और उसका विश्लेषण समय पर मिलने से सरकार बेहतर नीति बना सकेगी। समस्त विभाग बिना किसी रुकावट के डाटा साझा कर सकेंगे, जिससे काम में पारदर्शिता आएगी और कर्मचारियों की कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी। स्वतंत्र शोधकर्ताओं और नीति-निर्माताओं को भी डाटा उपलब्ध होगा, जिससे नई योजनाओं का निर्माण आसान होगा। नागरिकों को भी डाटा की जानकारी मिल सकेगी, जिससे शासन अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनेगा। डाटा की उपलब्धता से निवेशकों का भरोसा बढ़ेगा और राज्य में निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

गांधीसागर जल विद्युत गृह की इकाइयों के नवीनीकरण का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा म.प्र. पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत संचालित (5×23) मेगावाट गांधीसागर एवं (4×43 मेगावाट) राणाप्रताप सागर जल विद्युत गृह के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण के लिए मध्यप्रदेश ?द्वारा देय राशि का अनुमोदन प्रदान किया गया। निर्णय अनुसार गांधीसागर जल विद्?युत गृह की पांचों इकाइयों (5×23 मेगावाट) के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण की पुनरीक्षित अनुमानित लागत 464 करोड़ 55 लाख रुपये का अनुमोदन प्रदान किया गया।

राणा प्रताप सागर जल विद्युत गृह की चारों इकाइयों (4×43 मेगावाट) के नवीनीकरण एवं आधुनिकीकरण की डी.पी.आर. में वर्णित अनुमानित लागत 573 करोड़ 76 लाख रूपये का अनुमोदन प्रदान किया गया।

दोनो परियोजनाओं की स्वीकृति परियोजना राशि पर निर्धारित अंशपूँजी को मध्यप्रदेश एवं राजस्थान राज्य द्वारा 50-50 अनुपात पर वित्त विभाग के परामर्श अनुसार मध्यप्रदेश की हिस्से की राशि 127 करोड़ 6 लाख रुपये को वर्षवार प्रदान किये जाने का अनुमोदन किया गया। मशीनरी बदलने के लिए राशि का व्यय होगा। परियोजना अगले 40 साल के लिए उपयोगी है दोनों प्रदेश कि विद्युत् उत्पादन कंपनियां अपने-अपने राज्य में स्थित परियोजना का क्रियान्वयन करेगी एवं कार्यों की लागत का लेखा-जोखा पारदर्शी रूप से संधारित कर एक दूसरे से साझा करेंगी तथा मौजूदा प्रथा के अनुसार वितीय खातों का तिमाही/वार्षिक मिलान कर समायोजित करेगी।

विक्रमोत्सव व्यापार मेला उज्जैन मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट के निर्णय का अनुसमर्थन

मंत्रि-परिषद ने उज्जैन के विक्रमोत्सव व्यापार मेला वर्ष-2025 में ऑटोमोबाइल विक्रय पर मोटरयान कर में 50त्न छूट प्रदान करने का निर्णय लेते हुए परिवहन विभाग की अधिसूचना 14 जनवरी 2025 एवं 9 अप्रैल 2025 का अनुसमर्थन किया गया। निर्णय अनुसार ऐसे समस्त गैर-परिवहन यानों (मोटर साइकिल, मोटर कार, निजी उपयोग के लिए ओमनी बस) तथा हल्के परिवहन यानों को, विक्रय पर जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी, जिनका कि वर्ष 2025 में उज्जैन व्यापार मेला की मेला अवधि के दौरान विक्रय किया जाएगा। छूट केवल विक्रीत वाहनों का क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन से स्थाई पंजीयन कराने पर ही प्रदान की जाएगी। उज्जैन के बाहर से आने वाले ऑटोमोबाइल व्यवसायी को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, उज्जैन से व्यवसाय प्रमाण-पत्र प्राप्त करने तथा उज्जैन में मेला प्रांगण में अपनी भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित करने के उपरांत ही वाहन विक्रय करने को अनुमत किया जाएगा।

ग्वालियर व्यापार मेला 2024-25 में मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट के निर्णय का अनुसमर्थन

मंत्रि-परिषद द्वारा ग्वालियर व्यापार मेला 2024-25 में ऑटोमोबाइल विक्रय पर कर में 50त्न छूट प्रदान करने का निर्णय लेते हुए परिवहन विभाग की अधिसूचना 14 जनवरी 2025 का अनुसमर्थन किया गया। अधिसूचना में ग्वालियर व्यापार मेला वर्ष 2024-25 के लिए शर्तों के आधार पर सहमति प्रदाय की गई थी। निर्णय अनुसार ग्वालियर व्यापार मेला वर्ष 2024-2025 में गैर-परिवहन यानों (मोटर साइकिल, मोटर कार, ओमनी बस निजी उपयोग के लिए) और हल्के परिवहन यानों को मेला अवधि के दौरान विक्रय पर जीवनकाल मोटरयान कर की दर में 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। विक्रीत वाहनों का क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, ग्वालियर से स्थाई पंजीयन करने पर ही छूट प्रदान की जाएगी। ग्वालियर के बाहर से आने वाले ऑटोमोबाइल व्यवसायी क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, ग्वालियर में व्यवसाय प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के उपरांत मेला प्रांगण में अपनी

भारतीय सेना को अपाचे हेलिकॉप्टर की पहली खेप मिली

3 हेलिकॉप्टर अमेरिका से हिंडन एयरबेस पर लाए गए

नई दिल्ली

भारतीय सेना को अमेरिका से तीन अपाचे एएच-64ई हेलिकॉप्टरों की पहली खेप मिल गई। सेना ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इन्हें अमेरिका से एंटोनोव ट्रांसपोर्ट विमान में गाजियाबाद जिले के हिंडन एयर बेस लाया गया। सेना के मुताबिक, सौदे के तहत 6 अपाचे गार्डियन हेलिकॉप्टर मिलने हैं। 3 आ चुके हैं। इन्हें रेत जैसे रंग से रंगा गया है, इससे रेगिस्तानी इलाकों में छिपने में मदद

मिलती है। इन हेलिकॉप्टर्स से सेना के हमला करने और ऑपरेशनल क्षमता में काफी इजाफा होगा।

अपाचे हेलिकॉप्टर को पाकिस्तान के साथ लगी पश्चिमी सीमा के पास जोधपुर में तैनात किया जाएगा। भारतीय थल सेना को पहली बार अपाचे हेलिकॉप्टर मिले हैं। ये हेलिकॉप्टर दुनिया के सबसे एडवांस लड़ाकू हेलिकॉप्टरों में से हैं। भारतीय वायुसेना के पास पहले से ही 22 अपाचे हेलिकॉप्टर हैं। अपाचे अटैक हेलिकॉप्टर की दो स्क्वाड्रन पाकिस्तान और चीन सीमा पर मोर्चे पर तैनात हैं। अमेरिका ने 2020 में वायुसेना को 22 अपाचे हेलिकॉप्टर डिलीवर किए थे।

राष्ट्रपति के 14 सवालों पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की पीठ मंगलवार को राष्ट्रपति द्वारा उठाए गए 14 सवालों पर विचार करने के लिए तैयार हो गई है। दरअसल राष्ट्रपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर ये सवाल उठाए थे, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति और राज्यपालों को किसी विधेयक को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने को कहा था। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस ए एस चंदूरकर की सदस्यता वाली संविधान पीठ अगस्त के मध्य से इस पर सुनवाई शुरू करेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143 (1) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए थे। संविधान का अनुच्छेद 143(1) राष्ट्रपति के सुप्रीम कोर्ट से विचार-विमर्श करने से संबंधित है। इसमें कहा गया है, यदि किसी भी समय

2006 मुंबई ट्रेन ब्लास्ट केस में महाराष्ट्र सरकार पहुंची सुप्रीम कोर्ट

बॉम्बे हाईकोर्ट ने सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था

मुंबई।

2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में अब महाराष्ट्र सरकार सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई है। शीर्ष कोर्ट में 24 जुलाई को सुनवाई होगी। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से तत्काल सुनवाई की अपील की थी। मुंबई में 2006 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने 21 जुलाई को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया था। कोर्ट ने कहा कि प्रॉसीक्यूशन, यानी सरकारी वकील आरोपियों के खिलाफ केस साबित करने में नाकाम रहे। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वॉन्टेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए। कोर्ट के आदेश के बाद सोमवार शाम 12 में से दो आरोपियों को नागपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। इनमें एहतेशाम सिद्दीकी शामिल हैं।

चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर को सही ठहराया

नई दिल्ली।

बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राज्यभर की राजनीति में गर्माहट तेज है। हालांकि गर्माहट का एक और बड़ा कारण चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2025) के फैसले को लेकर भी है। जहां विपक्षी दल लगातार से चुनाव आयोग के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में मंगलवार को चुनाव आयोग ने बिहार में चल रहे एआईआर-2025 को लेकर उठ रहे सवालों पर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर सफाई दी है।

आधार, मतदाता और राशन कार्ड केवल पहचान के लिए मान्य

अपने हलफनामें में चुनाव आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया चुनाव की पवित्रता बनाए रखने के लिए जरूरी है, क्योंकि इससे अयोग्य व्यक्तियों को मतदाता सूची से हटाया जाता है। आयोग ने बताया कि एसआईआर-2025 के दौरान आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड जैसी पहचान से जुड़ी जानकारी का इस्तेमाल केवल पहचान स्थापित करने के लिए किया जा रहा है, नागरिकता या निवास प्रमाण के रूप में नहीं। आयोग ने साफ किया कि आधार नंबर देना वैकल्पिक है और यह केवल पहचान के लिए लिया जा रहा है ना कि नागरिकता साबित करने के लिए।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

नई दिल्ली।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस्तीफा मंजूर कर लिया। यह जानकारी राज्यसभा में पीठासीन घनश्याम तिवाड़ी ने दी। धनखड़ आज सदन की कार्यवाही में भी शामिल नहीं हुए। सुबह 11 बजे अपर सदन की कार्यवाही की शुरुआत उप सभापति सांसद हरिवंश ने की। इससे पहले खबर आई थी कि जगदीप इस्तीफा वापस नहीं लेंगे। ना ही विदाई समारोह में शामिल होंगे। उधर, पीएम मोदी ने कहा कि मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। देश के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल में लैंडस्लाइड, 5 मौतें

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में सोमवार को बारिश और लैंडस्लाइड से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 साल का एक बच्चा भी है। लैंडस्लाइड की अलग-अलग घटनाओं में कई लोग घायल भी हुए हैं।

जम्मू के रियासी में वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर भूस्खलन में 70 साल के तीर्थयात्री की मौत हो गई, 9 घायल हो गए। वहीं, हिमाचल के चंबा में घर के ऊपर चट्टान गिरने से नवविवाहित जोड़े की मौत हो गई। राज्य की 401 सड़कें बंद हैं। इधर, मध्य प्रदेश के मंडला जिले में कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बाघ बाढ़ में बह गया। बंजर नदी में बहते हुए बाघ को देखा गया। जबलपुर समेत प्रदेश के 12 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

मप्र के कान्हा टाइगर रिजर्व में बाघ बाढ़ में बहा; उत्तराखंड-महाराष्ट्र समेत 5 राज्यों में बारिश का अलर्ट

है।

मौसम विभाग के अनुसार उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा और तेलंगाना में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बिहार के 27 और राजस्थान के 4 जिलों में तेज बारिश हो सकती है। बंगाल की खाड़ी के उत्तरी हिस्से में 24 जुलाई के आसपास एक नया कम दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में देश के कई राज्यों में फिर से तेज बारिश होने की संभावना है।

भोजनालयों के लिए क्यूआर कोड मामले पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

कांवड़ मार्ग पर सभी होटलों को दिखाना होगा लाइसेंस

नई दिल्ली।

भोजनालयों के लिए क्यूआर कोड मामले पर सुप्रीम कोर्ट से उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने क्यूआर कोड संबंधी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी होटल मालिकों को लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने क्यू कोड अनिवार्य करने के मुद्दे पर कोई निर्देश नहीं दिया। अदालत ने कहा कि अभी क्यूआर कोड के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया है और मुख्य याचिका पर सुनवाई के दौरान इस पर विचार किया जा सकता है। मुख्य याचिका अभी अदालत में लंबित है।

सर्वोच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश सरकार के उस निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें सरकार ने कांवड़ मार्ग पर सभी खाने-पीने की दुकानों और भोजनालयों पर क्यूआर कोड स्टीकर प्रदर्शित करने और साथ ही दुकानों के बाहर बैनर लगाकर

दुकान मालिक के नाम और पहचान को प्रदर्शित करने को कहा था। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा था। सरकार के आदेश के खिलाफ याचिकाएं शिक्षाविद अपूर्वानंद झा, एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और अन्य ने दायर की थीं।

इससे सांप्रदायिक हिंसा बढ़ने का खतरा

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहना भेदभाव है और साथ ही यह कांवडियों के लिए संकेत है कि उन्हें किस दुकान को नजरअंदाज करना है। उनके अनुसार, दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहना भेदभाव है और साथ ही यह कांवडियों के लिए संकेत है कि उन्हें किस दुकान को नजरअंदाज करना है। याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उन्हें डर है कि सरकार के इस फैसले से सांप्रदायिक तनाव बढ़ेगा और इससे भीड़ हिंसा की आशंका भी बढ़ जाएगी, खासकर अल्पसंख्यक समुदाय के दुकानदारों के खिलाफ हिंसा की घटनाएं हो सकती हैं। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार का आदेश निजता के अधिकार का उल्लंघन है। गौरतलब है कि बीते साल सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों के ऐसे ही निर्देश पर रोक लगा दी थी।

आम आदमी के क्षितिज को अनुप्राणित करती है भारत की अंतरिक्ष यात्रा

इसकी शुरुआत बमुश्किल दिखाई दे रही एक दरार से हुई– जो फाल्कन-9 बूस्टर की प्रेशर फीडलाइन के वेल्ड जॉइंट में छिपी हुई थी। यह अंतरिक्ष उड़ान की विशाल मशीनरी में संभवत- एक छोटी सी खामी रही होगी। लेकिन भारत के लिए, यह निर्णायक घड़ी थी। इसरो के हमारे सचेत और अटल वैज्ञानिकों ने जवाब माँगा। उन्होंने कामचलाऊ उपायों की बजाए, मरम्मत पर ज़ोर दिया और ऐसा करके, उन्होंने न सिर्फ़ एक मिशन की रक्षा की बल्कि–एक सपने की भी हिफाजत की ।

उस सपने ने 25 जून, 2025 को उड़ान भरी, जब भारतीय वायु सेना के अधिकारी और इसरो-प्रशिक्षित अंतरिक्ष यात्री, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, एक्सिओम-4 मिशन के ज़रिए कक्षा में पहुँचे। एक दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़कर, वह –न सिर्फ़ अंतरिक्ष में, बल्कि मानव-केंद्रित विज्ञान, चिकित्सा और प्रौद्योगिकी के भविष्य में भी भारत की अगली बड़ी छलांग का चेहरा बन गए।

यह कोई रस्मीई यात्रा नहीं थी। यह एक वैज्ञानिक धर्मयुद्ध था। शुक्ला अपने साथ सात माइक्रोग्रैविटी प्रयोग लेकर गए थे। इनमें से प्रत्येक प्रयोग को भारतीय शोधकर्ताओं ने उन सवालों के उत्तबर जानने के लिए सावधानीपूर्वक डिज़ाइन किया था, जो न केवल अंतरिक्ष यात्रियों के लिए, बल्कि हमारे समूचे देश के किसानों, डॉक्टरों, इंजीनियरों और छात्रों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

अंतरिक्ष में मेथी और मूंग के बीजों के अंकुरित होने के बारे में विचार कीजिए। यह सुनने में सरल, लगभग काव्यात्मक प्रतीत होता है। लेकिन इसके निहितार्थ गहरे हैं। अंतरिक्ष यान के सीमित क्षेत्र में, जहाँ पोषण का प्रत्येक ग्राम मायने रखता है, वहाँ यह समझना कि माइक्रोग्रैविटी में भारतीय फसलें कैसे व्यवहार करती हैं, लंबी अवधि के मिशनों के लिए चालक दल के आहार को नए सिरे से परिभाषित कर सकता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पृथ्वी पर, विशेष रूप से मृदा क्षरण और जल की कमी से जूझ रहे क्षेत्रों में, ऊर्ध्वाधर खेती और हाइड्रोपोनिक्स में नवाचारों को प्रेरित कर सकता है।

इसके अलावा भारतीय टार्डिग्रेड्स का अध्ययन–इन सूक्ष्म जीवों को इनकी मजबूती के लिए जाना जाता है। सुप्तावस्था से जागे इन सूक्ष्म जीवों का अंतरिक्ष में जीवित रहने, प्रजनन और जेनेटिक एक्स प्रेशन की दृष्टि से अवलोकन गया। उनका व्यवहार जैविक सहनशक्ति के रहस्यों को उजागर कर सकता है, जो टीके के विकास से लेकर जलवायु-प्रतिरोधी कृषि तक, हर चीज़ में सहायक हो सकता है।

शुक्ला ने मायोजेनेसिस प्रयोग भी किया। इस प्रयोग में इस बात की पड़ताल की गई कि मानव मांसपेशी कोशिकाएँ अंतरिक्ष की परिस्थितियों और पोषक तत्वों के प्रति कैसी प्रतिक्रिया देती हैं। ये निष्कर्ष मांसपेशीय क्षय के उपचार में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं, जिससे न केवल अंतरिक्ष यात्रियों को, बल्कि वृद्ध रोगियों और आघात या ट्रामा से उबर रहे लोगों को भी लाभ होगा।

अन्य जारी प्रयोगों में सायनोबैक्टीरिया की वृद्धि–ये ऐसे जीव हैं, जो संभवत- किसी दिन अंतरिक्ष में जीवन-रक्षक प्रणालियों की सहायता कर सकते हैं–तथा चावल, लोबिया, तिल, बैंगन और टमाटर जैसे भारतीय फसलों के बीजों का माइक्रोग्रैविटी के संपर्क में आना शामिल है। इन बीजों को पीढ़ी दर पीढ़ी उगाया जाएगा ताकि वंशानुगत परिवर्तनों का अध्ययन किया जा सके, जिससे संभावित रूप से चरम वातावरण के अनुकूल नई फसल किस्में विकसित हो सकें।

यहाँ तक कि मानव-मशीन संपर्क को भी परखा गया। शुक्ला ने यह समझने के लिए वेब-आधारित आकलन किया कि इलेक्ट्रॉनिक डिस्प्ले के साथ बातचीत करने की हमारी क्षमता को माइक्रोग्रैविटी किस प्रकार प्रभावित करती है - जो भविष्य के अंतरिक्ष स्टेशनों और अंतरिक्ष यान के लिए सहज ज्ञान युक्त इंटरफेस डिजाइन करने के लिए एक महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि है।

ये कोई अमूर्त प्रयास नहीं हैं। ये समाज के लिए विज्ञान के भारतीय लोकाचार में गहराई से निहित हैं। एक्सिओम-4 का हर प्रयोग पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित करने की क्षमता रखता है–चाहे वह ओडिशा का कोई जनजातीय किसान हो, शिलांग का कोई स्कूली बच्चा हो, या लद्दाख का कोई फ्रंटलाइन डॉक्टर हो।

इस मिशन ने वैश्विक अंतरिक्ष कूटनीति में भारत के बढ़ते कद को भी दर्शाया। सुरक्षा प्रोटोकॉल पर हमारे द्वारा ज़ोर दिए जाने ने स्पेसएक्स को एक संभावित विनाशकारी खामी की पहचान करने और उसे ठीक करने में मदद की। नासा, ईएसए और एक्सिओम स्पेस के साथ हमारा सहयोग समान साझेदारी के एक नए युग को दर्शाता है, जहाँ भारत केवल भाग ही नहीं ले रहा है, बल्कि नेतृत्व भी कर रहा है।

पूरे मिशन के दौरान, इसरो के फ़्लाइट सर्जनों ने शुक्ला के स्वास्थ्य पर नज़र रखते हुए उनकी शारीरिक और मानसिक सेहत का ध्यान रखा। वे पूरे जोश में रहे और लखनऊ से लेकर त्रिवेंद्रम, बैंगलोर से लेकर शिलांग तक, पूरे भारत के छात्रों से बातचीत करते रहे और युवा मन में विज्ञान और अंतरिक्ष की संभावनाओं के प्रति उत्साह जगाते रहे।

शुक्ला अब लौट आए हैं, और वह अपने साथ प्रचुर मात्रा में डेटा, नमूने लाए हैं और उनके द्वारा लाई गई अंतर्दृष्टि भारत के आगामी गगनयान मिशन और भारत अंतरिक्ष स्टेशन को शक्ति प्रदान करेगी।

यह सिर्फ़ एक अंतरिक्ष यात्री की बात नहीं है। यह एक राष्ट्र के उत्थान की बात है। यह अंतरिक्ष विज्ञान को जनसेवा में बदलने की बात है। यह माइक्रोग्रैविटी अनुसंधान के लाभ भारत के कोने- कोने तक –दूरदराज के गाँवों में सैटेलाइट इंटरनेट से लेकर शहरी अस्पतालों में पुनर्योजी चिकित्सा तक पहुँचाना सुनिश्चित करने की बात है ।

हमारे प्रधानमंत्री नरेन?द्र मोदी के शब्दों में, गगनयान का आशय है किसी भारतीय को भारतीय साधनों के द्वारा अंतरिक्ष में पहुँचाना। एक्सिओम-4 एक पूर्वाभ्यास है, अवधारणा का प्रमाण है, आकांक्षा और उपलब्धि के बीच का सेतु है।

और जब हम तारों को देखते हैं, तो हम उन्हेंस सिर्फ़ अचरज भरी निगाहों से ही नहीं निहारते, बल्कि इरादे से देखते हैं। क्योंकि भारत के लिए आकाश कोई सीमा नहीं, बल्कि प्रयोगशाला है।

(केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन राज्य मंत्री)

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

" भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैंकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड,डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं। भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैंकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। "

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के यूनफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है। भारत में वर्ष 2016 के पहिले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ओनलाइन बैकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है। भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृढ़ पेमेंट सिस्टम की आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं। भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी।

भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फ्रान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं।

दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

बड़ी जीत है द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी संगठन घोषित होना

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है। टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को 'स्वदेशी विद्रोह' की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह 'पर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को मुख्यधारा में लाने' के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है, ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफ़ान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को 'कश्मीरी प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता। अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है?

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवतः भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमरीका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमरीका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। उसे सीमा पार सर्जिकल/ड्रोन स्ट्राइक की नीति को और मजबूत करना चाहिए। आतंकी समर्थकों की फंडिंग रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों की मांग करनी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन, और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए।

आज आवश्यकता है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक और शांति-प्रिय राष्ट्र एक मंच पर एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाएं। किसी भी राष्ट्र को- चाहे वह प्रत्यक्ष हो या परोक्ष, आतंकियों की शरणस्थली बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना पहला कदम है, अब इसकी जड़ों को नष्ट करना ही अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। सवाल यह भी है कि जब पाकिस्तान आतंकी संगठनों का खुलेआम समर्थन करता रहता है तो उसे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में डालने से परहेज क्यों किया जा रहा है?

न्यूज ब्रीफ

जिला बदर बदमाश पर हुई रासुका की कार्रवाई

भोपाल। टीटी नगर पुलिस द्वारा जिला बदर निगरानी बदमाश रोहित कबीरपंथी उर्फ बाली के खिलाफ रासुका की कार्रवाई की गई है। बदमाश का अपराधिक रिकार्ड देखते हुए उसे भोपाल और आसपास के जिलों की सीमाओं से एक साल तक दूर रहने की हिदायत दी गई थी। लेकिन जिला बदर आदेश के बाद भी बदमाश इलाके में ही बेखौफ घूम रहा था। उसके खिलाफ 30 अपराध दर्ज है। पूर्व में उसके खिलाफ दो बार जिला बदर की कार्रवाई की जा चुकी है। पुलिस के अनुसार, रोहित कबीरपंथी उर्फ बाली उर्फ रितिक पंथी (27) सुनहरी बाग टीटी नगर में रहता है। वह इलाके का निगरानी बदमाश है। राजधानी के अलग-अलग थानों में रोहित कबीरपंथी के खिलाफ अड़ीबाजी, मारपीट, लूट, गैर इरादतन हत्या सहित करीब 30 अपराध दर्ज हैं। लगातार आपराधिक गतिविधियों में रहने के कारण उसके खिलाफ दो बार पूर्व में जिला बदर की कार्रवाई की जा चुकी है। लेकिन उसकी अपराधिक गतिविधियो संलिप्त रहने के कारण उसके खिलाफ तीसरी बार जिलाबदर की कार्रवाई की गई। उसे 30 जून 2025 से एक साल तक राजधानी और आसपास के जिलों की सीमाओं से दूर रहने की हिदायत दी गई थी। इसके बावजूद आरोपी अटल पथ में घूम रहा था, जिसे पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया।

जैन मंदिर की दान पेटी से निकले पौने सात लाख रुपए

भोपाल। कोहेफिजा थाना इलाके में लालघाटी में स्थित जैन मंदिर की दान पेटी से निकले 6.75 लाख रुपए ट्रस्ट का मैनेजर लेकर भाग गया। मैनेजर को यह रकम बैंक में जमा करने के लिये दी गई थी। मामले में नंदेशवर जैनालय के ट्रस्टी की शिकायत पर पुलिस प्रकरण दर्ज कर मैनेजर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जैन नगर में रहने वाले विवेक जैन (45) ने बताया की वह गुफा मंदिर स्थित नंदेशवर जैनालय में ट्रस्टी है। जैनालय में आकाश जैन नाम का मैनेजर है, वह टीकमगढ़ का रहने वाला है, और यहां साल 2022 से पदस्थ है। जैनालय की दान पेटी साल में दो बार खोली जाती है। 17 जुलाई को दान पेटी खोली गई थी, जिसमें करीब 6 लाख 75 हजार की रकम निकली थी। इस पैसे को मैनेजर आकाश को बैंक में जमा करने के लिए दिया गया था। आकाश ने रकम को बैंक में जमा नहीं किया और उसे लेकर गायब हो गया। उसे कई बार फोन किये गये लेकिन कोई संपर्क नहीं हो सका इसके बाद विवेक जैन ने पुलिस में शिकायत की। जांच के बाद पुलिस ने अमानत में खयानत का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

कार ने गलत दिशा से आ रही स्कूटी को टक्कर मारी

भोपाल। गोविंदपुरा इलाके में आईएसबीटी के पास एक कार ने गलत दिशा से आ रही स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में दो स्कूटी सवार घायल हो गए, वहीं टक्कर के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने कार जब्त कर ली। फिलहाल घायलों से संबंधित जानकारी पुलिस को नहीं मिल सकी है। पुलिस ने बताया कि आईएसबीटी के सामने एक कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी थी। कार चेतक ब्रिज की ओर से बागसेवनिया जा रही थी। वहीं स्कूटी सामने से आ रही थी, जिससे दोनों की भिड़ंत हो गई। पुलिस को घायलों की सूचना किसी अस्पताल से नहीं मिल सकी है। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि एक युवक का पैर फ्रैक्चर हो गया था। पुलिस ने कार जब्त की थी, लेकिन कोई शिकायत न मिलने पर थाने पहुंचे कार चालक तो फिलहाल नोटिस देकर छोड़ दिया गया है।

किसानों को सुविधापूर्वक, व्यवस्थित ढंग से उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए

जिला कलेक्टर डबल लॉक केन्द्रों, पैक्स और निजी विक्रय केन्द्रों का आकस्मिक रूप से करें निरीक्षण

उर्वरक के अवैध व्यापार पर 30 एफ.आई.आर., 56 लायसेंस निरस्त, 70 लाइसेंस निलंबन और 188 विक्रय प्रतिबंधित करने की हुई कार्यवाही

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खरीफ 2025 के लिए किसानों को सुविधापूर्वक, व्यवस्थित ढंग से उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। यूरिया की मांग वाले जिलों में आगामी सात दिवस में प्राप्त होने वाले रैक और उर्वरक वितरण व्यवस्था संबंधी जानकारी का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। राज्य स्तर से उर्वरक व्यवस्था की लगातार समीक्षा की जा रही है। उर्वरक की कालाबाजारी, अवैध भंडारण, टैगिंग, मिस ब्रांडिंग, अवैध परिवहन पर कठोर कार्यवाही की जाए। विक्रय केन्द्रों पर कृषकों की अधिक भीड़ होने पर अतिरिक्त काउंटर की व्यवस्था कर विक्रय प्रक्रिया संचालित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मंगलवार को मंत्रालय में आयोजित सहकारिता, राजस्व और किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग की संयुक्त समीक्षा बैठक में दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विपणन संघ के विक्रय केन्द्रों और पैक्स में निर्धारित अनुपात अनुसार उर्वरक का भंडारण सुनिश्चित किया जाए। जिला कलेक्टर डबल लॉक केन्द्रों, पैक्स और निजी विक्रय केन्द्रों का आकस्मिक रूप से निरीक्षण कर स्कंध का सत्यापन सुनिश्चित करें। अनुदानित यूरिया के उपयोग की पशुआहार, पोल्ट्री फीड, लेमिनेशन, रेसिन, प्लाईवुड, पेंट, शराब उद्योग, प्रिंटिंग और मिलावटी दुग्ध उत्पादन में उपयोग की संभावना रहती है। उन्होंने इन स्थानों का औचक निरीक्षण कर अनुदानित यूरिया पाए जाने पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नैनो यूरिया के उपयोग को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि किसानों की आवश्यकतानुसार उर्वरक की घर पहुंच सेवा आरंभ करने पर भी विचार किया जाना चाहिए। इससे अनुदानित यूरिया के दुरूपयोग को रोका जा सकेगा। बैठक में बताया गया कि उर्वरकों की कालाबाजारी, अवैध भंडारण या परिवहन और नकली उर्वरकों के संबंध में अब तक 30 एफ.आई.आर. की गई, 56 लायसेंस निरस्त, 70 लाइसेंस निलंबन और 188 विक्रय प्रतिबंधित करने की कार्यवाही की गई है।

बैठक में राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना, सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

मध्यप्रदेश स्वच्छता क्षेत्र में निरंतर रहेगा आगे: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंगलवार की शाम मंत्रालय में भोपाल की महापौर मालती राय के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को राय ने राष्ट्रपति द्वारा भोपाल को स्वच्छता क्षेत्र में दिये गये प्रशस्ति पत्र एवं ट्राफी भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आशा व्यक्त की कि मध्य प्रदेश स्वच्छता के क्षेत्र में निरंतर अग्रणी बना रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महापौर मालती राय सहित नगर निगम भोपाल के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी, रविंद्र यति, राजेश हिंगोरानी और अन्य पदाधिकारी गण को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भोपाल, इंदौर सहित मध्यप्रदेश के अन्य शहरों को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 पुरस्कारों से गत सप्ताह सम्मानित किया। भोपाल को 10 लाख से अधिक जनसंख्या की श्रेणी में स्वच्छ शहर का द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से बुधनी नगर निकाय के पदाधिकारी गण ने भी भेंट की और 20 हजार से कम आबादी वाले शहरों में बुधनी के पुरस्कृत होने की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दोनों निकायों के पदाधिकारियों को बधाई दी। महापौर मालती राय ने बताया कि स्वच्छता के क्षेत्र में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए भोपाल नगर के सफाई मित्रों को भी पुरस्कृत किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि भोपाल के साथ ही इंदौर को 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाली स्वच्छ लीग अवार्ड श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहर से पुरस्कृत किया गया। इसी श्रेणी में 3 से 10 लाख जनसंख्या वाले शहरों की श्रेणी में उज्जैन को सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ शहर का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह के निर्देशन में सीईओ जिला पंचायत इला तिवारी ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 165 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर एडीएम भूपेन्द्र गोयल, अंकुर मेश्राम, प्रकाश नायक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीईओ जिला पंचायत इला तिवारी ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बेटी, बहन की हत्या करने वाले आरोपी पिता और भाई को आजीवन कारावास की सजा

अन्य जाति के युवक से शादी करने पर की थी गला घोंटकर हत्या

भोपाल

राजधानी की जिला अदालत ने साल 2021 में रातीबढ़ थाना इलाके में युवती और उसके मासूम बेटे की हत्या के मामले में आरोपी मृतिका के पिता और भाई को सुनवाई पूरी होने के बाद दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास सहित अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है। यह निर्णय पल्लवी द्विवेदी दशम अपर सत्र न्यायाधीश की कोर्ट ने दिया है। प्रकरण में शासन द्वारा की ओर से विशेष लोक अभियोजक वंदना परते द्वारा पैरवी की गई। विशेष लोक अभियोजक से मिली जानकारी के अनुसार 14 नंवबर 2021 को रातीबढ़ थाना पुलिस ने अज्ञात महिला और मासूम बच्चे का शव समसपुरा पिलोटा नाले से बरामद किया किया था।

मर्ग कायम कर पुलिस शव की पहचान जुटाने के प्रयास कर रही थी। बाद में 19 नंवबर को अतुल नामक फरियादी ने थाना पुलिस को लिखित शिकायत करते हुए बताया की 14 नवंबर को उसकी पत्नी और मासूम बच्चे को ससुर कमल सिंह और साला राजकुमार जबरदस्ती अपने साथ ले गये है। जब उसने फोन कर पत्नी से बात कराने को कहा तब दोनो ने उसे दोबारा फोन करने पर जान से मारने की धमकी दी है।

आगे की छानबीन में पता चला की अज्ञात मृतिका महिला और मासूम बच्चे का शव फरियादी अतुल की पत्नि और उसके बच्चे का है। वहीं यह भी सामने आया की मृतिका युवती द्वारा अन्य जाति के युवक से शादी करने को लेकर युवती के पिता कमल सिंह और भाई राजकुमार काफी आक्रोशित थे।

जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया

हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने संदेही आरोपी पिता और बेटे से पूछताछ की। पिता कमल सिंह और भाई राजकुमार ने पुलिस को बताया की अपनी बेटी/ बहन के अन्य जाति के युवक से शादी करने की बात को लेकर उन्होंने उसकी गला दबाकर हत्या कर लाश को जंगल मे फेंक दिया था। जांच के बाद पुलिस ने कोर्ट में चालान पेश किया। सुनवाई के दौरान अभियोजन द्वारा पेश किये गये तर्को, साक्ष्य, दस्तावेजों से सहमत होते हुये कोर्ट ने आरोपी पिता कमल सिंह जांगड़ा और भाई राजकुमार को धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास एवं 2-2 हजार रुपये के अर्थदण्ड, धारा 201 भादवि में 7 साल का का सश्रम कारावास सहित 1-1 हजार रुपये के अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है।

जहर खाने से टीआई की हालत स्थिर, बेंगलुरु से आया एंटीडोट

भोपाल। निशातपुरा थाना प्रभारी रूपेश दुबे की हालत स्थिर बनी हुई है। रविवार शाम जहरीला पदार्थ खाने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखकर डॉक्टरों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि डॉक्टरों ने बेंगलुरु से विशेष एंटीडोट और एक मशीन मंगवाई है। उनके साथ डॉक्टर की एक्सपर्ट टीम भी आएगी। डॉक्टर्स लगातार उनकी हालत की निगरानी कर रहे हैं। अस्पताल में टीआई की पत्नी, बच्चे सहित परिवार वाले उनके साथ मौजूद हैं। आला अधिकारी लगातार उनकी स्थिति की जानकारी ले रहे हैं। पुलिस सूत्रों का मानना है कि यह मामला लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक तनाव से जुड़ा है।

लोकल कपड़ों पर ब्रांडेड कंपनी का टैग लगाकर बेच रहा था व्यापारी

भोपाल

बैरागढ़ थाना इलाके में एक कपड़ा कारोबारी दुकान पर लोकल कपड़ों पर रेमंड कंपनी का टैग लगाकर ग्राहकों को बेच रहा था। कंपनी के नाम पर साधारण कपड़े बेचने की जानकारी मिलने पर संबधित कंपनी के एरिया मैनेजर ने पुलिस में शिकायत की थी। जिसके बाद पुलिस ने दुकान पर छापा मारकर रेमंड कंपनी के टैग लगे कपड़े बरामद किए हैं। मामले में दुकान मालिक के खिलाफ कॉपी राइट एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मुंबई निवासी मनोज रेमंड कंपनी में एरिया मैनेजर हैं। उन्होंने एक लिखित शिकायत करते हुए पुलिस को बताया कि कृष्णा प्लाजा बैरागढ़ स्थित महादेव इंटरप्राइजेज नाम की दुकान में रेमंड कंपनी के नाम पर साधारण कपड़े बेचे जा रहे हैं। पुलिस टीम ने दुकान पर छापा मारा, तलाशी लेने पर 78 पेंट-शर्ट पीस और 9 सफारी पीस मिले हैं। जिन पर रेमंड कंपनी का टैग लगा हुआ है, जबकि वह पकड़े साधारण कंपनी के हैं। आरोपी दुकानदार पंचवटी कॉलोनी एयरपोर्ट निवासी पंकज सयरानी उर्फ लव उक्त कपड़ों पर रेमंड कंपनी का टैग लगाकर ग्राहकों को बेच रहा था। पुलिस ने नकली माल जप्त कर आरोपी दुकानदार पंकज सयरानी के खिलाफ केस दर्ज किया है।

मंदिर में चोरी करने वाले दो बदमाश धराये, चांदी का मकुट, बाइक बरामद

भोपाल। देहात क्षेत्र की बैरसिया पुलिस ने इलाके में स्थित ग्राम जमूसर कलां भैरों बाबा के मंदिर में बीते दिनों हुई चोरी का खुलासा करते हुए दो बदमाशों को दबोचा है। पुलिस के अनुसार सोमवार को जमूसर कलां निवासी कमल सिंह ने बताया था कि 19 जुलाई की देर शाम को पूजा बाद मंदिर को ताला लगाकर बंद किया गया था। अगली सुबह जब पूजा के लिये पहुंचे तो मंदिर का ताला टूटा नजर आया। अंदर जाकर चैक करने पर भगवान भैरों बाबा के सिर से चांदी का मुकुट गायब था। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ चोरी का प्रकरण दर्ज जांच शुरू की। घटनास्थल के आस-पास लगे दर्जनों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने और तकनीकी जांच में अहम सुराग हाथ लगे। इसके बाद टीम ने मुखबिर से मिली सूचना पर दो संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। दोनो संदेहियों ने मंदिर से मुकुट चोरी करना स्वीकार किया। आरोपियों की पहचान रघुवीर जाटव पिता भंवरलाल जाटव (35) निवासी शमशाबाद और अभिषेक जाटव पिता मायाराम जाटव (24) निवासी ग्राम डुगरिया, थाना बैरसिया के रुप में हुई। उनकी निशानदेही पर टीम ने चोरी किया गया 30 हजार कीमत का चांदी का मुकुट, मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद की है। बताया गया है की आरोपियों ने आगे की पूछताछ में एक मोटरसाइकिल चोरी का खुलासा किया है।

सड़क पार कर रहे बुजुर्ग की ई-रिक्शा की टक्कर से मौत

भोपाल। पुराने शहर के हनुमानगंज थाना इलाके में स्थित सिंधी कॉलोनी के पास सड़क पार करते समय अज्ञात ई-रिक्शा की टक्कर से वृद्ध की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार काजीकैम्प में रहने वाले असलम खान (58) प्राइवेट काम करते थे। बीती 15 जुलाई की रात करीब साढ़े आठ बजे उनके बेटे सलमान के परिचित राजू नामक व्यक्मि ने फोन कर बताया की उसके पिता गंभीर हालत में सिंधी कॉलोनी के पास सडक पर पड़े हुए हैं।

रेलवे ट्रैक से युवक का शव बरामद, अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

भोपाल

मिसरोद थाना इलाके के सलैया अंडरब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक से पुलिस ने एक युवक की लाश बरामद की है। छानबीन के दौरान रेलवे ट्रैक से थोड़ी दूरी पर मिली बाइक से शव की पहचान की गई है। पुलिस के अनुसार, अंकित चौधरी पिता श्रीराम चौधरी (21) हिनौतिया कोलार में रहता था। अंकित और उसके पिता पुताई का ठेका लेते थे। रविवार शाम को करीब सात बजे वह बाइक लेकर घर से निकला था, इसके बाद से वापस नहीं लौटा। अगली सुबह पुलिस ने उसकी लाश सलैया

अंडर ब्रिज के ऊपर रेलवे ट्रैक से क्षत विक्षत हालत में बरामद की। पास खड़ी बाइक के नंबर के आधार पर अंकित के पिता से संपर्क हुआ। घटना की सूचना मिलने पर पहुंचे उसके पिता ने उसकी पहचान की। मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालों को सौंप दिया गया है। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस को मामला आत्महत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। पुलिस का कहना है की फिलहाल उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस कारणों की जांच कर रही है। उधर कोहेफिजा पुलिस ने बताया कि बीते दिन सूचना मिली थी, कि थाने के नजदीक बने फ्लाईओवर ब्रिज पर एक व्यक्ति का एक्सीडेंट हो गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी मौत हो गई। फिलहाल मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी है, जिसके प्रयास पुलिस कर रही है।

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने वेटनरी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ.उमेश शर्मा के साथ 'आसरा'' का किया निरीक्षण

पशुओं के समुचित ईलाज, पोषण एवं स्वच्छ वातावरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

भोपाल

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने वेटनरी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ.उमेश शर्मा के साथ घायल एवं बीमार पशुओं के आश्रय स्थल ''आसरा'' का निरीक्षण किया और पशुओं के समुचित ईलाज एवं पोषण एवं स्वस्थ वातावरण हेतु व्यवस्थाएं और अधिक बेहतर ढंग से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त हर्षित तिवारी, सहायक संचालक पशु चिकित्सा सुनीला सरण सहित निगम व पशु चिकित्सा विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने मंगलवार को वेटनरी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. उमेश शर्मा के साथ जेल पहाड़ी जहांगीराबाद स्थित पशु आश्रय स्थल ''आसरा'' का निरीक्षण किया और ''आसरा'' में

प्रतिदिन आने वाले घायल,बीमार पशुओं की संख्या, आश्रय स्थल की क्षमता एवं पशुओं के ईलाज, खानपान आदि के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने ईलाज के उपरांत स्वस्थ होने वाले पशुओं को गौशालाओं में शिफ्ट करने, कांजी हाउसों में पशुओं की चिकित्सा की व्यवस्था करने, पशु चिकित्सक सहित मोबाईल वेन तैयार करने हेतु विचार-विमर्श कर योजना बनाने के निर्देश दिए ताकि घायल,बीमार पशुओं को समय पर ईलाज की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके। निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने कहा कि पशुओं को खुला न छोड़ने हेतु पशु पालकों को समझाइश भी दी जानी चाहिए। निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने वेटनरी काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ.शर्मा से चर्चा करते हुए कहा कि राज्य शासन के सहयोग से नगर निगम द्वारा राजधानी में एक बड़ी गौशाला का निर्माण कराया जा रहा है। इस गौशाला के निर्माण से लगभग 11 हजार से अधिक पशुओं को गौशाला में रखने की व्यवस्था हो जाएगी। इससे पहले निगम व पशु चिकित्सा विभाग के चिकित्सकों ने अवगत कराया कि प्रतिदिन ''आसरा'' में 5-6 बीमार, घायल पशु आते है। आसरा की क्षमता 60 पशुओं की है जबकि वर्तमान में 70 पशु आसरा में ईलाज हेतु भर्ती है।

खास — **निगम अमले ने 31 प्रकरणों में 05 हजार 600 रुपये का स्पॉट फाईन वसूला**

बिना लायसेंस के मीट, चिकन का व्यवसाय करने एवं गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध निगम ने की स्पॉट फाईन की कार्यवाही

भोपाल

नगर निगम, भोपाल द्वारा बिना लायसेंस, अवैध रूप से तथा लायसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने वाले चिकन-मटन, मछली के व्यवसायियों तथा गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में मंगलवार को निगम के अमले ने जोन क्र. 14 के विभिन्न क्षेत्रों में बिना लायसेंस के चिकन, मीट, मछली का व्यवसाय करने वाले व्यवसायियों तथा गंदगी फैलाकर साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने वाले अन्य व्यक्तियों के विरूद्ध स्पॉट फाईन की कार्यवाही करते हुए 31 प्रकरणों में 05 हजार 600 रुपये की राशि वसूल की।

निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन के निर्देश पर निगम के जोन क्र. 14 के अमले ने वार्ड क्र. 56, 57, 60 एवं

61 के चिकन,मटन, मछली विक्रेताओं की दुकानों का औचक निरीक्षण किया और लायसेंस आदि की जांच की। निरीक्षण के दौरान निगम अमले ने बिना लायसेंस प्राप्त किए चिकन, मटन, मछली का व्यवसाय करने वालों व गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए वार्ड क्र. 56 में 11 प्रकरणों में 02 हजार 100 रुपये, वार्ड क्र. 57 में 09 प्रकरणों में 900 रुपये, वार्ड क्र. 60 में 10 प्रकरणों में 01 हजार रुपये तथा वार्ड क्र. 61 में 01 प्रकरण में 01 हजार रुपये की राशि वसूल की। निगम अमले ने बिना लायसेंस के मीट, चिकन, मछली आदि का व्यवसाय न करने, गंदगी न फैलाने तथा निगम की स्वच्छता की गतिविधियों में सहयोग करने के निर्देश दिए।

निगम अमले ने शहर के विभिन्न स्थानों से हटाए अतिक्रमण

नगर निगम द्वारा सड़कों, फुटपाथों, कॉरीडोर व सार्वजनिक स्थलों आदि से अतिक्रमणों को हटाने तथा अवैध निर्माणों को तोड़ने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने सीएम हेल्प लाईन, कॉल सेंटर व अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निवारण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए दुकानों के बाहर रखा सामान, कंडम वाहन, रेत, गिट्टी, अवैध रैम्प, शेड, पक्के चबूतरे, छप्पर, फुटपाथ से सब्जी वाले, गुमठी, ठेले, काउंटर, दो पहिया व अन्य अतिक्रमणों को हटवाकर लोहे के स्टूल, बैंच के फ्रेम, जाली का पिंजरा, फोल्डिंग टेबिल, टीन का पट्टे, जाली स्टूल, जंजीर, लोहे की टेबिल, छत ठेला, काउंटर, छत काउंटर, बैंच, लोहे का टेबिल फ्रेम, पान पार्लर एवं सादा ठेला आदि जब्त किए।

न्यूज ब्रीफ

एक ही रात में दादी नातिन को सांप ने डसा

चंदेरा। सर्प दंश से जहां बालिका की मौत हो गई वही दादी की हालत गंभीर बनी हुई है। प्राप्त जानकारी अनुसार गंज मोहल्ले में रहने वाली रामदेवी पत्नी शिवदयाल सेन अपनी नातिन माही पुत्री सतीश के साथ कमरे में सो रही थी कि अचानक रात के समय माही के पेट में दर्द, उल्टियां होने के साथ ही उसकी तबियत बिगड़ने लगी। जिसके बाद परिजन

उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे प्राथमिक उपचार दिया।हालत में सुधार होता न देख परिजन उसे जतारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए।जहां बालिका की हालत बिगड़ते देख डॉक्टरों ने उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। जैसे ही परिजन बच्ची को लेकर गेट के बाहर निकले ही थे कि अचानक रामदेवी के पेट में भी असहनीय दर्द होने लगा। जिसके बाद उसका भी उपचार कर उसे भी जिला अस्पताल ले गए। पर उनके शरीर पर किसी भी जहरीले कीड़े के काटने के निशान न होने से यह अंदाजा नहीं लगाया जा सका कि दादी और नातिन को किसी ने सर्प ने डसा है। जिसके बाद बच्ची का शरीर नीला पड़ने लगा और किसी सर्प के काटने की पुष्टि हुई। बच्ची की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टरों की टीम ने उसे झांसी मेडिकल के लिए रिफर कर दिया।पर पहुंचने से पहले ही रास्ते में बालिका ने दम तोड़ दिया।वही दादी की हालत गंभीर बनी हुई है। घरवालों ने वापस आकर सपेरों को बुलाया तो एक काला नाग घर के कच्चे कमरे से पकड़ा गया। जिसके बाद थाने में बच्ची के मृत होने की इतला दी गई। थाना प्रभारी रश्मि जैन ने बताया कि परिजनों द्वारा जहरीले कीड़े के काटने से बच्ची के मृत होने एवं दादी के गंभीर होने की सूचना दी गई थी। जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम कराकर मर्ग कायम करते हुए जांच में लिया गया है।

सप्त दिवसीय गीता प्रवचन का समापन

राजगढ़। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माचलपुर द्वारा ग्राम पिपलिया कुल्मी मे ब्रह्मा कुमारीज एवं मानस मंडल समिति के तत्वाधान में पाटीदार धर्मशाला मे सप्त दिवसीय गीता प्रवचन का आयोजन किया गया। जिसका समापन बड़े ही हर्षोल्लास के साथ हुआ, साथ ही जीवन से बुराईयों, व्यसनों को त्याग सन्मार्ग पर चलने का लोगों ने संकल्प किया। प्रवचनकर्ता राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुरेखा दीदी ने स्वयं का सत्य परिचय, परमात्मा का परिचय, धाम, कर्त्तव्य, कर्मो की गहन गति, मनुष्य के उत्थान- पतन की अद्भुत कहानी, परमात्म सुख का अनुभव एवं उनसे मिलन मनाने की सहज विधि गीता में वर्णित राजयोग,गीता, श्रीमद्भागवतगीता, रामायण का सार जीवनोपयोगी व रोचक ढंग से प्रयोगात्मक अनुभूति के साथ दर्शाया। उन्होंने कहा सर्व समस्याओं का समाधान गीता ज्ञान में निहित हैं। व्यक्तिगत और सामाजिक लाभ बताते हुए कहा कि इस परमात्म ज्ञान से जो समझ मिलती है उससे जीवन मे चुनौतीपूर्ण माहौल में भी हम शांति पूर्ण ढंग से स्थिरता को प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही साथ कर्म कुशलता से अपने जीवन मे सकारात्मकता को अपनाकर सफलता के आयाम छू सकते हैं।इस ईश्वरीय ज्ञान से हम ऐसा जीवन बना सकते हैं जो सभी के लिए अनुकरणीय हो। राजयोग के नियमित अभ्यास से हमारी आंतरिक शक्तियों का विकास होता है और हम दुख अशांति से सहज ही मुक्ति पा सकते हैं, जीवन की हर समस्या का समाधान इसमे है।

एक पेड़ मां के नाम अंतर्गत किया पौधा रोपण

माचलपुर। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड जीरापुर द्वारा गठित नगर विकास प्रस्फुटन समिति माचलपुर के सदस्यों द्वारा 22 जुलाई 2025 को नगर माचलपुर के थाना परिसर में पांच पौधे गुलमोहर कचनार कनेर आदि का जन सहयोग से रोपित कर पौधों को जीवित रखने का संकल्प लिया। पौधारोपण कार्यक्रम में प्रधान आरक्षक दुलीचंद मालवीय, आरक्षक नंदिनी श्रीवास्तव, धनराज राठौर, सीताराम एवं समिति के अध्यक्ष यशवंत गुर्जर सचिव सत्यनारायण गुर्जर एवं पार्षद प्रतिनिधि राधेश्याम गुर्जर, कोषाध्यक्ष गोपाल सेन, सदस्य लक्ष्मण सिंह, गुर्जर समाज सचिव अनिल पांचाल आदि सदस्य की उपस्थिति में पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

हत्यारा प्रेमी- प्रेमिका और उसकी तीन वर्षीय बेटी की हत्या

गंज बासौदा

एक प्रेमी द्वारा अपने साथ लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाली लगभग 31 वर्षीय महिला और उसकी मासूम तीन वर्षीय बेटी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मंगलवार की सुबह सुबह, इस सनसनीखेज वारदात की जानकारी सामने आते ही शहर में सनसनी फ़ैल गई और घटना के कारणों के बारे में कयास लगाने लगे।

मंगलवार सुबह-सुबह , शहर के बीचों-बीच वार्ड क्रमांक 8 के मंशापूरण हनुमान मंदिर के पीछे एक मकान एक महिला उसकी 3 वर्षीय मासूम बेटी के शव मिलने की खबर से शहर में सनसनी फैल गई। घटना जैसे-जैसे व्हाट्सएप के माध्यम से शहर के नागरिकों के बीच में पहुंची, हर कोई इस हत्याकांड के बारे में चर्चा करने लगा। अचानक जानकारी में आई इस खतरनाक वारदात की खबर सुनकर पुलिस भी हरकत में आ गई और तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। इसके बाद जो कहानी निकाल कर सामने आई वह चौंकाने वाली थी।

मंगलवार की सुबह बरेठ रोड मंशापूरण हनुमान मंदिर के पीछे शशि कुशवाहा के मकान में किराए से रहने वाली रामसखी कुशवाहा एवं उसकी 3 वर्षीय बेटी का शब मिलने की खबर सुनकर अचानक से हड़कंप मच गया। मकान मालिक शशि कुशवाहा समेत मोहल्ले में रहने वाला हर व्यक्ति सन्न में रह गया। आनन फानन में घटना की सूचना सिटी थाना पुलिस को दी गई। जब पुलिस मौका ए वारदात पर पहुंची तो एक 31 वर्षी महिला और 3 वर्षीय बेटी का शब

मृतका.रामसखी कुशवाह 31वर्ष

देखकर हतप्रभ हो गई और तुरंत घटना की तफ्तीश में गंभीरता से लग गई। इस दोहरे हत्याकांड के मामले को सुलझाने में पुलिस को ज्यादा देर नहीं लगी और जो घटना निकलकर सामने आई उसके अनुसार उक्त महिला रामसखी और उसकी मासूम 3 वर्षीय बेटी की हत्या करने वाला आरोपी कोई और नहीं बल्कि रामसखी का प्रेमी अनुज विश्वकर्मा निकला, जिसके साथ पिछले 7 महीनों से रामसखी लिव इन रिलेशनशिप में रह रही थी। मकान मालिक शशि कुशवाहा और मौका ए वारदात पर मौजूद मोहल्ले पड़ोस के लोगों ने बताया कि कुछ माह पूर्व ही अनुज नाम के एक शख्स ने शशि कुशवाहा के घर में कमरा किराए पर लिया था और कमरा किराए पर लेते समय अनुज ने स्वयं को तथा रामसखी को पति-पत्नी के रूप में अवगत कराया था, साथ ही अपनी तीन पुत्रियां होने की बात बताई थी, जिसमें से एक 7 वर्षीय और दूसरी 3 वर्षीय पुत्री को अपने साथ रहना बताया जबकि तीसरी बेटी का नानी के पास रहने की जानकारी दी। अनुज ने पेशे से अपने आप को ड्राइवर बताया। जानकारी में आया है कि रामसखी अपने पहले पति की मृत्यु के बाद किसी अन्य पुरुष के साथ रहने लगी थी, अपुष्ट जानकारी में उक्त व्यक्ति का नाम बादल सामने आ रहा है, जिससे उसको तीन संतानें हुई। पारिवारिक कलेश के चलते कुछ समय पश्चात रामसखी, बादल को छोड़कर, सिरोंज के महू गांव निवासी अनुज के साथ लिव इन रिलेशन में रहने लगी थी। सोमवार की रात अनुज और रामसखी में कुछ विवाद हुआ था और मंगलवार की सुबह जब मकान मालकिन शशि कुशवाहा अपने तीन मंजिला मकान से नीचे उतरी तो उन्होंने अपनी किराएदार रामसखी और उसकी मासूम बेटी को मृत जमीन पर पड़ा हुआ देखा। इसके बाद पुलिस को घटना की सूचना दी गई। जांच में यह बात भी सामने आई है कि दोनों का गला घोंट कर हत्या को अंजाम दिया गया। प्राप्त सूचना के अनुसार पुलिस ने आरोपी अनुज को गिरफ्तार कर लिया है, हालांकि शहर थाना ने इस गिरफ्तारी के संबंध में अपनी ओर से अभी कोई आधिकारिक जानकारी प्रदान नहीं की है। वहीं खबर लिखे जाने तक दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम हो रहा है। जिसके बाद मृतक महिला और उसकी बेटी के शव महिला के परिजनों को सौंप दिए जाएंगा। घटना के कारणों का अभी स्पष्ट कोई खुलासा नहीं हुआ है।

डीआईजी ने किया घटना स्थल का निरीक्षण

दिल दहलाने बाली घटना में प्रेमी ने अपनी प्रेमिका व तीन वर्ष की मासूम की हत्या कर दी घटना की चर्चा दिन भर शहर में जगह जगह होती रही दोपहर करीब 1:30 बजे पुलिस रैंक के डीआईजी ने भी घटना स्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए डीआईजी ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है डीआईजी ने कहा कि महिला व मासूम की हत्या महिला के ही लिविंग पार्टनर ने की है।

जनपद पंचायत के नवीन भवन के लिए 5 करोड़ व मानौरा मंगल भवन के लिए 50 लाख स्वीकृत

गंजबासौदा

क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी के अथक प्रयास से गंजबासौदा व ग्यारसपुर को बड़ी सौगात मिली है। जिसमें बासौदा जनपद पंचायत के नवीन भवन के लिए पांच करोड़ की राशि स्वीकृत हुई है साथ ही जगदीश पूरी के नाम से क्षेत्र में विख्यात ग्यारसपुर के ग्राम मानौरा धाम में एक विशाल मंगल भवन के लिए 50 लाख रुपए की राशि स्वीकृत हुई है।

क्षेत्रीय विधायक हरि सिंह रघुवंशी ने बताया कि बासौदा जनपद पंचायत के नवीन भवन की मांग लंबे समय से थी, पुराना भवन वर्तमान आवश्यकताओं के मापदंड के हिसाब से आधुनिक उन्नत एवं पर्याप्त नहीं था ,साथ ही ग्यारसपुर के मानौरा में जगदीश स्वामी की विशाल रथ यात्रा व मेले का प्रतिबर्ष आयोजन होता है, जिसमें आसपास के अनेक जिलों के लाखों श्रद्धालुओं व धर्म प्रेमी बंधु सम्मलित होते हैं। मानौरा में व्यवस्थाओं की दृष्टि से ऐसा कोई भवन नहीं था इसलिए इस मंगल भवन की मांग लंबे समय से चली आ रही थी। जिसकी मांग मैने ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल से की थी। विषय की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने 50 लाख रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। इस उपलब्धि के लिए क्षेत्रीय विधायक रघुवंशी ने मंत्री पटेल का ह्रदय से आभार व्यक्त किया, साथ ही कहा कि जब यह भवन बन कर तैयार होगा तो निश्चित ही इसका लाभ क्षेत्र की जनता को मिलेगा। मंगल भवन की स्वीकृति के बाद ग्यारसपुर सहित आसपास के क्षेत्र में हर्ष व्याप्त है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस भवन के निर्माण से केवल धार्मिक आयोजन ही नहीं बल्कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए भी यह भवन अत्यंत उपयोगी होगा। इन सौगातों के लिए बासौदा जनपद पंचायत के अध्यक्ष नीतू देवेंद्र रघुवंशी, ग्यारसपुर जनपद पंचायत अध्यक्ष, भाजपा के पदाधिकारियों सहित क्षेत्र के अनेक नेता गणमान्य नागरिक जनता जनार्दन ने प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, क्षेत्रीय सांसद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल व क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी का आभार किया है।

शिक्षा की दौड़ में खो गया जीवन, पंखे से लटका भौमिक नहीं... सवाल लटका था कि हम इतने असंवेदनशील क्यों हैं?

सारनी

शब्द थम जाते हैं, दिल सुन्न हो जाता है और आंखें सवालों से भर जाती हैं जब एक मां स्कूल से लौटती है, और घर में अपने बेटे को पंखे से झूलता हुआ देखती है। प्रधानमंत्री आवास योजना की दो नंबर बिल्डिंग का वह पहला फ्लैट आज ख़ामोश है, लेकिन उसकी दीवारों पर

चीखें दर्ज हैं- एक 18 वर्षीय युवक, भौमिक हिंग्वे, ने आत्महत्या कर ली। संत फ्रांसिस स्कूल में कक्षा 12वीं का छात्र भौमिक, पढ़ाई के दबाव से इस कदर टूट गया कि उसने जीवन की सबसे बड़ी परीक्षा ही छोड़ दी–जीने की परीक्षा। विडंबना देखिए, उसी स्कूल में उसकी मां अध्यापिका हैं। शायद उन्होंने कभी सोचा भी न होगा कि जिन बच्चों को जीवन के पाठ पढ़ा रही हैं, उनका अपना बच्चा जीवन से हार जाएगा। मंगलवार दोपहर स्कूल की छुट्टी के बाद जब मां घर लौटीं, तो दरवाजा खुला था, लेकिन घर का सन्नाटा किसी अनहोनी की दस्तक दे रहा था और जब नज़र बेटे पर पड़ी, वह दृश्य शब्दों के बाहर था–पंखे से लटका हुआ भौमिक, एक सुसाइड नोट के साथ।

सिर्फ दो पंक्तियाँ... और पूरा जीवन का संघर्ष उजागर हो गया

मैं पढ़ाई के बोझ को नहीं झेल पा रहा, यह सिर्फ एक पंक्ति नहीं, यह एक युग की त्रासदी है। घटना की सूचना मिलते ही सारनी पुलिस मौके पर पहुंची और कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ की। थाना प्रभारी जयपाल इनवाती के अनुसार, सुसाइड नोट में जो लिखा है, उससे प्रतीत होता है कि युवक ने पढ़ाई के दबाव में यह कदम उठाया। मर्ग कायम कर विवेचना शुरू की गई है। भौमिक अपने परिवार के साथ हाल ही में घोड़ाडोंगरी से सारनी आया था। शायद इस नए क्षेत्र में, नए माहौल में, वह खुद को कहीं खो बैठा था।

कहीं कुछ बहुत गलत है

आज का युवा प्रतिस्पर्धा की दौड़ में इतना थक गया है कि मंज़िल तक पहुंचने से पहले ही दम तोड़ देता है। किताबों का बोझ कब मन के ऊपर हावी हो गया, यह हम समझ ही नहीं पाए। अभिभावक, शिक्षक, समाज–सब चाहते हैं कि बच्चे कुछ बनें, लेकिन कोई नहीं पूछता कि क्या वो खुश हैं? भौमिक चला गया, लेकिन जाते-जाते एक और आईना दिखा गया। अब सवाल हम सबके सामने है, क्या हमारी शिक्षा प्रणाली इतनी अमानवीय हो चली है कि वह जीवन से बड़ी बन गई है? क्या हम इतने असंवेदनशील हो गए हैं कि बच्चों की मुस्कान के पीछे का दर्द नहीं देख पाते? शोक संतप्त मां की आंखों से गिरते आंसू, उस हर मां की आंखों में उतरने चाहिए जो अपने बच्चों से सिर्फ अंकों की उम्मीद करती है, उनके मन की हलचल नहीं सुनती। आज भौमिक का जाना सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, एक चेतावनी है। समाज, शिक्षा व्यवस्था और माता-पिता- सबको आत्ममंथन करने का समय आ गया है। कहीं ऐसा न हो कि कल फिर कोई भौमिक किताबों के नीचे दब जाए।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने किया दस्तक अभियान का शुभारंभ, कार्ययोजना अनुसार शत प्रतिशत काम के दिए निर्देश

राजगढ़

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और कुपोषण व बाल मृत्यु दर को कम करने के उद्देश्य से मंगलवार को कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने दस्तक अभियान का विधिवत शुभारंभ करते हुए बच्चों को विटामिन ए की दवा पिलाई। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि अभियान के लिए बनाई गई कार्ययोजना अनुसार शत-प्रतिशत काम होना चाहिए। फील्ड स्तर के अधिकारी और कर्मचारी बराबर इसकी मॉनीटरिंग करेंगे। 15 दिनों के बाद अभियान की उपलब्धि एवं इससे हितग्राही बच्चों को हुए लाभ की समीक्षा की जाएगी। अभियान के शुभारंभ अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी भी जिला अस्पताल पहुंचे और उन्होंने

भी बच्चों को विटामिन- ए की दवा पिलाकर लोगों से अभियान में सहभागिता करने की बात कही। अभियान के दौरान मुख्य अतिथियों को सीएमएचओ द्वारा पौधा भेंट किया गया।

अभियान के शुभारंभ अवसर पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शोभा पटेल ने उपस्थित लोगों को अभियान की रूप रेखा बताई। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई तैयारियों से कलेक्टर को अवगत कराया साथ ही अभियान में 0 से 5 साल तक के समस्त बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करने की बात कही। जिला टीकाकरण अधिकार डॉ. एलपी भकोरिया ने अभियान के दौरान महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग, पंचायत विभाग और ग्रामीण यांत्रिकी विभाग से सहयोग की अपेक्षा की है। उन्होंने कहा कि आपसी सहयोग एवं समन्वय से किसी भी अभियान को सफल बनाया जा सकता है। अभियान में ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के बच्चों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ दिया जाएगा। इससे जिले में होने वाली शिशु मृत्यु दर और कुपोषण में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद जताई जा रही है।

जनसुनवाई में सुनी गई आमजन की समस्याएं

राजगढ़

जिला मुख्यालय पर प्रति मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई में आमजन की समस्याओं का निराकरण किया जाता है। अपर कलेक्टर शिवप्रसाद मंडराह द्वारा 22 जुलाई को आयोजित जनसुनवाई में राजगढ़ निवासी फतेहसिंह ने बताया कि आवेदक ने चार माह पूर्व प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभ के लिए ऑनलाईन आवेदन भी दिया था। परन्तु आवेदक को योजना का लाभ नहीं मिला है। अपर कलेक्टर द्वारा सीएमओ को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद थे। जनसुनवाई में ग्राम हरिपुरा निवासी रामचन्द्र तंवर ने बताया कि आवेदक द्वारा किसान सम्मान निधि

के लिए पंजीयन किया। परन्तु पंजीयन निरस्त होने के कारण आवेदक को किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिल रहा है। अपर कलेक्टर द्वारा तहसीलदार खिलचीपुर को जांच हेतु निर्देशित किया गया। ग्राम रोज्या तहसील खुजनेर निवासी देवीलाल दांगी द्वारा बताया गया कि भूमि पर बैंक ऑफ इण्डिया शाखा करेड़ी में उक्त भूमि पर बैंक द्वारा केसिसी ऋण जारी कर दिया है। जिससे आवेदक को आर्थिक हानी हो रही है। अपर कलेक्टर द्वारा एलडीएम को जांच करने हेतु निर्देशित किया गया।

भवानी मंदिर खंडवा से माँ वैष्णों देवी अखंड ज्योति ध्वज पैदल रथ यात्रा पहुंची नगर में

रथ यात्रा का मार्ग में जगह-जगह किया स्वागत, रात्रि विश्राम कर सुबह हुई पचोर की ओर रवाना

सारंगपुर

मां भवानी मंदिर खंडवा से मां वैष्णों देवी तक अखंड ज्योति ध्वज पैदल रथ यात्रा भक्तों के द्वारा निकाली जा रही है जो दिनांक 2 जुलाई को मां भवानी मंदिर जिला खंडवा से मनोज तायड़े के नेतृत्व में 40 लोगों के साथ मां वैष्णों देवी मंदिर जम्मू तक पैदल चलकर यात्रा निकाली जा रही है। यात्रा प्रभारी मनोज तायडे ने जानकारी देते हुए बताया कि हमने 12 जुलाई से मां भवानी मंदिर खंडवा से यात्रा प्रारंभ की हम प्रतिदिन 25 से 30 किलोमीटर पैदल चल रहे हैं। पैदल यात्रा 12 सितंबर को मां वैष्णों देवी मंदिर पहुंचकर समापन होगी। सोमवार शाम को मां वैष्णों देवी अखंड ज्योति पैदल यात्रा गोपालपुरा जयनगर इंदौर नाका पुराना बस स्टैंड होते हुए खेड़ापति हनुमान मंदिर पहुंचकर रात्रि विश्राम किया। यात्रा मंगलवार सुबह खेड़ापति हनुमान मंदिर नगर पालिका उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश वर्मा मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद सहित अन्य लोगों ने पैदल यात्रियों का स्वागत किया वहीं अन्य स्थानों पर जगह-जगह यात्रा का पुष्प वर्षा का स्वागत किया। यात्रा इन्हें प्रारंभ होकर पाडल्या रोड चोराहा ए बी रोड अकोदिया नाका से पचोर, ब्यावरा के लिए रवाना हो गई पचोर में पहुंचकर शिवरात्रि विश्राम होगा। इस दौरान टिल्ला तायडे चेतराम विश्वकर्मा गोपाल सेन हुकुम भाई मातृशक्ति-रूकमणी दीदी, कला दीदी, मंजू दीदी, लीला दीदी, रेशम दीदी, आशा दीदी राजू सतकड़े, अमरचंद फुलमाली, राजेन्द्र जगताप, दशरथ चौहान, राजू मारवाडी, विरेन्द्र राठौर, राजेश वर्मा, शांतिलाल विश्वकर्मा, जितू दशौरे, सखाराम, राजू, लालू मामा तरुण वर्मा, कृष्णापुरी, बलीराम नागनपुरिया, नत्थु जी सालवे, शंकर विश्वकर्मा, मल्लू नायडे, लखन जी पटेल, कैलाश पड़न नैतिक नायड़, रामअवतार, जैकी बावनिया, ब्रदी तंवर, संजय राठौर, शशि कपुर वर्मा, सहित 45 लोगों का जत्था पैदल चल रहा है।

जगह चौपाल लगाकर नशे के बताए दुष्प्रभाव

नशा नाश की जड़ इसको करने वाले का जीवन हो जाता है अंधकारमय

टीकमगढ़

बढ़ते सामाजिक अपराधो में नशा सबसे बड़ी बजह है।इसको करने से जहां पारिवारिक वातावरण खराब होता है वही व्यक्ति का जीवन अंधकार मय हो जाता है।यह बात नवागत थाना प्रभारी नीतू खटीक ने थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले शासकीय स्कूलों में बच्चों सहित ग्रामो में चौपालों के माध्यम से जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कही।साथ ही युवा वर्ग को समझाईश दी।नशा करना नाश की जड़ होता है इसे करने बाले का जीवन पूरी तरह बर्बाद हो जाता है।इसलिए इससे बचने की जरूरत है।इसके साथ ही बच्चियो को संबोधित करते हुये कहा महिलाओ पर हो रहे अपराध आज समाज के लिए चिंता का विषय है इसलिए समाज मे जाग्रति लाने के लिए

बच्चियो का पढ़ना जरूरी है।क्योकि जागरूक होकर ही हम अपराधो पर अंकुश लगा सकते है। जिसके लिए अपने कर्तव्यो को जानने की ख़ासी जरूरत है।किसी प्रकार से अपराध का शिकार होने पर सबसे पहले अपने अभिभाबको को जानकारी देने एवं पुलिस का सहयोग लेने की बात कही।उन्होने आगे कहा हमे आगे भविष्य मे उन्त समाज का हिस्सा बनना है अगर आप सब लोग भटक गए या किसी दुर्संगति मे फस गए तो आप का ही अहित होगा।इसके पश्चात उन्होने कहा फेसबुक,वाट्स एप ,सोशल एप ने हमारे सिस्टम मे रिश्तो को नए तरीके से परिभाषित किया है।जहा स्कूली बच्चो एवं किशोरी बालिकाओ को फेसबुक,वाट्स एप का उपयोग सावधानी से करने ,एवं बायरस ,फिशिंग ,हैकिंग ,सहित अन्य सायवर अपराधो की जानकारी होना अति आवश्यक है।वही सोशल साइट से होने बाले अपराधो से दूरी बनाए रखने की जरूरत है।वही शाला की शिक्षिकाओं ने महिलाओ एवं बच्चियो को पोषण स्वास्थ्य सुरक्षा की जानकारी ,गुड टच बेड टच की जानकारी देते हुये शासकीय हेल्पलाइन नंबर की व्यापक जानकारी दी।इस दौरान बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

मंडला में दस्तक अभियान एवं एनीमिया मुक्त करना

अनवर खान ब्यूरो चीफ फतवा

मंडला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में दस्तक अभियान के संबंध में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें जिले को एनीमिया मुक्त एवं उपस्थित बच्चों की देखरेख के लिए विशेष जानकारी पत्रकारों के समक्ष सांझा की गई, इस तारतम्य में21 जुलाई 2025 को योजना भवन में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने दस्तक अभियान चरण 22 जुलाई से 16 सितम्बर 2025 के बीच होने वाले कार्यक्रम के बारे में विस्तार से चर्चा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला टीकाकरण अधिकारी के द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई कि दस्तक चरण के दौरान समस्त 0 माह से 5 वर्ष के सभी बच्चों की जांच किया जाना है जिसका मुख्य उद्देश्य है बाल एवं शिशु मृत्युदर में कमी लाना एवं बाल्यकालीन बीमारियों की रोकथाम करना। इस दौरान समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं एएनएम के द्वारा जांच की जायेगी। बीमार गंभीर कुपोषित बच्चे, गंभीर एनीमिया के बच्चे, निर्जलीकरण वाले प्रकरण, गंभीर निमोनिया एवं अन्य खतरे के चिन्हित बच्चे की जांच एवं समुचित उपचार किया जायेगा। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम अंतर्गत समस्त आंगनबाड़ी केन्द्रों

में 6 माह से 59 माह के समस्त बच्चे को प्रति मंगलवार एवं शुक्रवार को आईएफए सायरप पिलाना जिसमें से 6 माह से 3 वर्ष के बच्चो को घर-घर जाकर कार्यकर्ता के द्वारा नामवार आईएफए सायरप बोटल देना। समस्त प्राइवेट एवं शासकीय स्कूलों में आईएफए गोली का सेवन समस्त शिक्षकों के द्वारा प्रति मंगलवार को बच्चों को खाना के बाद खिलाना सुनिश्चित करें तथा साथ में विटामिन सी एवं आयरन युक्त खाद्य पदार्थ लेने की सलाह दी देवें। महिला बाल विकास विभाग के द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं शिक्षा विभाग के द्वारा स्कूलों में समय-समय पर जाकर मूल्यांकन करना। दस्तक दल के द्वारा प्रत्येक व्ही.एच.एन.डी. दिवस में दस्तक दल जिसमें एएनएम, आंगनबाड़ी एवं आशा कार्यकर्ता, सीएचओ के मार्गदर्शन में सेवायें प्रदान की जावेगी। 5 वर्ष से कम उम्र के गंभीर कुपोषित बच्चों की सकिय पहचान रेफरल एवं

दस्तक अभियान का हुआ शुभारंभ कलेक्टर एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने पिलाई विटामिन-ए की दवा

कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा एवं नगरपालिका अध्यक्ष श्री विनोद कछवाहा ने आंगनवाड़ी क्रमांक 1 सुभाष वार्ड में दस्तक सह स्टॉप डायरिया अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान आंगनवाड़ी में उपस्थित बच्चों को नगरपालिका अध्यक्ष, कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत ने दवा की खुराक पिलाई। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, सीएमएचओ डॉ. डीजे मोहन्ती सहित संबंधित उपस्थित थे। 22 जुलाई से 16 सितम्बर 2025 तक चलने वाले इस अभियान में बाल्यकालीन बीमारियों की पहचान एवं त्वरित उपचार, रेफरल का प्रबंधन किया जायेगा। दस्तक अभियान का प्रमुख उद्देश्य बाल मृत्यु प्रकरणों में कमी लाना है। इस अवसर पर कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कार्यक्रम में उपस्थित बच?चों तथा उनके माताओं से चर्चा करते हुए स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में फीडबैक प्राप्त किया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने माताओं से आग्रह किया है कि अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जाकर बच्चों को विटामिन ए की दवा अवश्य पिलाएं।

सैयद हैदर रजा की स्मृति में आरडी कालेज में हुआ सांस्कृतिक आयोजन

अनवर खान ब्यूरो चीफ फतवा

मंडला, मंडला जिला में सैयद हैदर रजा फाउंडेशन की ओर से हर वर्ष पांच दिवशी पेंटिंग एवं उन कलाकृतियों का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है ,9वीं वर्षगांठ पर आरडी कालेज के आडीटोरियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मण्डला में जन्मे प्रसिद्ध चित्रकार सैयद हैदर रजा की स्मृति में हुए इस आयोजन में कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा,

पुलिस अधीक्षक श्री रजत सकलेचा, सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांस कूमट भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम में नृत्यांगना अरूणिमा घोष और आरूषि मुन्शी ने भारत नाट्यम एवं ओडिशी नृत्य शैली में मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किये। दोनों नृत्यांगनाओं ने दोनों शैलियों का अद्भुत संगम अपने नृत्य कौशल से स्टेज पर दिखाया। कार्यक्रम में सभी जिलाधिकारियों के साथ कलाप्रेमी नागरिकगण उपस्थित रहे।

मंडला कान्हा टाईगर रिजर्व कुआं में गिरे टाईगर का सफल रेस्क्यू

मंडला

प्राप्त जानकारी के अनुसार कान्हा टाइगर रिजर्व में दिनांक 21 एवं 22 की मध्य रात्रि 12.30 बजे वन परिक्षेत्र आशिकारी खापा को दूरभाष पर सुचना प्राप्त हुई की ग्राम मालखेड़ी मे एक ग्रामीण के घर के पास स्थित कुए मे एक बाघ गिर गया हैद्य परिक्षेत्र अधिकारी द्वारा सूचना वरिष्ठ अधिकारियो को दी गई और क्षेत्र संचालक कान्हा टाइगर रिज़र्व द्वारा सहायक संचालक मलाजखंड और सिझोरा का संयुक्त दल बनाकर बाघ को सुरक्षित रेस्क्यू करने के लिए निर्देशित किया गया द्य दल द्वारा मौका स्थल पर पहुंच कर विभागीय और स्थानीय संसाधनों का उपयोग करते हुए बाघ को कुए से बाहर निकालने मे सफलता प्राप्त की और सूचना मिलने के मात्र 2 घण्टे में रात्रि 2.45 पर बाघ कुए से बाहर निकाला गया द्य बाघ स्वयं वन क्षेत्र की और चला गया द्य कान्हा के अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा स्थानीय ग्रामीणों को सुरक्षित एवं सतर्क रहने हेतु रात्रि मे घर घर पहुंचकर जागरूक किया गया

'डिंडोरी जिले में नशा मुक्ति अभियान के तहत व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम संपन्न'

दुर्गेश बर्मन डिंडौरी /फतवा

मध्यप्रदेश ड्रू जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में पुलिस विभाग द्वारा नशा मुक्ति अभियान के तहत कई जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज विशेषकर युवाओं एवं विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना रहा। चौकी अमरपुर क्षेत्र की शासकीय माध्यमिक शाला चांदपुर में निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित कर नशा मुक्ति का संदेश दिया गया और प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पीएम श्री हाई स्कूल मोहगांव में विद्यार्थियों ने भारत के नक्शे में मानव श्रृंखला बनाकर नशा मुक्त गांव का संदेश दिया। इस दौरान नेहरू सेवा केंद्र से आर. पी. कुशवाहा, रक्षित केन्द्र प्रभारी कुंवर सिंह, यातायात प्रभारी सुभाष उईके ,थाना कोतवाली से उपनिरीक्षक बुध्दूलाल वरकडे, चौकी अमरपुर प्रभारी अतुल हरदहा , आर. कमलेश अहिरवार ,आर. पिन्टू कुशवाह और शिक्षकगण उपस्थित रहे। थाना शहपुरा के शासकीय विद्यालय अमेरा में संवाद कार्यक्रम कर नशे के सामाजिक, मानसिक और आर्थिक दुष्प्रभावों से विद्यार्थियों को अवगत कराते हुए शपथ दिलाई गई। थाना मेहंदवानी के ग्राम परापानी, चौकी विक्रमपुर के टिकरिया विद्यालय, गोपालपुर, समनापुर, बिछिया कस्बा, एवं थाना बजाग के कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों, विद्यार्थियों एवं व्यापारियों को नशे से दूर रहने की समझाइश दी गई और पंपलेट वितरित किए गए।

इन कार्यक्रमों में पुलिस विभाग, शिक्षकगण, समाजसेवी संस्थाएं और स्थानीय नागरिकों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। अभियान के माध्यम से डिंडोरी जिले में नशा मुक्त समाज की दिशा में सार्थक पहल की गई।

लाखों खर्च, निर्माण जबरदस्त, कि पहली बारिश में ही बह गई पुलिया

जिम्मेदारों की लापरवाही का खमियाजा भुगत रहे ग्रामीण, आखिर कब जागेगा प्रशासन
कब कसेगा शिकंजा प्रशासन भ्रष्ट अधिकारी कर्मचारी पर
ग्रामीणों ने मापदंड को दरकिनार निर्माण किए जाने लगाए आरोप

दुर्गेश बर्मन/डिंडौरी (फतवा)

जिले में हो रहे भ्रष्ट चार पर शिकंजा कसना मुमकिन नहीं क्योंकि हो चुके है हौसले बुलंद मिली भगत का है सिलसिला ये न होगा कम। चुकी मीडिया अपना कार्य कर रही है।लेकिन उस पर अमल करने बल कोई नहीं आये दिन चल रहे कार्य ओ की गुणवत्ताओं को लेकर मीडिया सोए हुए कुंभकर्ण को जगाने का प्रयास कर रही है।लेकिन वह जागने को तैयार नहीं है।क्योंकि यह एक आदिवासी जिला है लोग जागरूक नहीं है।जितना जी चाहे उतना करो मनमानी यहां कोई आनेवाला नहीं है।ओर इसी तर्ज पर प्रशासन को चुनौती देते हुए हर कार्य पर भ्रष्टाचार अपने चरम सीमा की ओर अग्रसर है।क्योंकि आदिवासी बाहुल्य जिले में सरकारी धन लूटने की होड़ सी मचि हुई है विकास के नाम पर सरपंच सचिव सहित जनपद पंचायत के जिम्मेदार नुमाइंदे ऐसे निर्माण कार्य को अंजाम दे रहे हैं जिनकी निर्माण के बाद की दुर्दशा किसी से छिपी नहीं है, अपने निजी स्वार्थ के फेर में ये तमाम जिम्मेदार आखिरकार किसकी रहमत से बेख़ौफ़ अकूत भ्रष्टाचार में गोते लगा रहे हैं।ऐसा ही मामला है जनपद पंचायत डिंडौरी अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सिलहरी का जहां महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत लगभग 15 लाख रुपये की लागत से चंद महीनों पहले पुलिया का निर्माण गुडवत्ता को दरकिनार कर किया गया था

जिसका नतीजा यह हुआ की पहली बारिश ने ही निर्माण की पोल खोल कर रख दी अब आनन फानन में जिम्मेदार अपने कारनामे को छिपाने पुलिया में लीपापोती के कार्य में लगे हुए हैं।स्थानीय जनपद सदस्य ममता देवी मरावी सहित ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए बताया कि सरपंच सचिव एवं उपयंत्री के द्वारा निम्हा नाला में जो पुलिया का निर्माण कार्य कराया गया है उसमें इनके द्वारा शासन द्वारा तय मापदंडों को पूरी तरह से नजरअंदाज करते हुए कार्य किया गया है पुलों को आड़ा तिरछा बिछाकर ढलाई कर दी गई है जो देखते ही बनती है।तथा साइड बॉल की लंबाई कम बनाई गई है इसके साथ ही इनके द्वारा पुलिया के ऊपर कांक्रीट न करते हुए मिट्टी और मुरम बिछाकर निर्माण कार्य पूर्ण कर दिया गया जिसके परिणाम स्वरूप पहली बारिश में ही पुलिया दोनों ओर से क्षतिग्रस्त हो गई थी जिसमे अब सरपंच सचिव सहित उपयंत्री के द्वारा अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए फिर से पुलिया के ऊपर मिट्टी मुरम डालकर भ्रष्टाचार पर पर्दा डालने भरसक प्रयास किया जा रहा है।यहां अहम सवाल यह है कि जनता के द्वारा चुनकर आई एक महिला जनपद सदस्य के पद की उपेक्षा करते हुए सरपंच सचिव और उपयंत्री पंचायत में बेख़ौफ़ वित्तीय अनियमितता करते हुए शासकीय धनराशि का दुरुपयोग कर रहे हैं।बावजूद इसके जनपद पंचायत के तमाम जिम्मेदार अधिकारी भी,सरपंच ,सचिव सहित उपयंत्री के रहनुमा बनते हुए भ्रष्टाचार की खुली छूट दे रहे हैं।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी 195 आवेदकों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

नागरिकों के समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिये शासन के निर्देशानुसार प्रत्येक मंगलवार को जिला पंचायत सभागार में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाती है। इस बार आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा जिले के विभिन्न अंचलों से आए 195 आवेदकों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी प्राप्त की गई तथा उसके निराकरण के लिए निर्देश दिए गए। अनिराकृत आवेदनों के लिये समय-सीमा निर्धारित कर अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अंशुमन राज, डिप्टी कलेक्टर एस पी मिश्रा, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे। आज आयोजित जनसुनवाई में समस्त उपखण्ड अधिकारी, तहसीलदार और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जिला स्तरीय जनसुनवाई से जुड़े रहे।

थाना माधवनगर पुलिस के द्वारा लगातार चलाया जा रहा नशामुक्ति अभियान

कटनी। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डा. संतोष डेहरिया एवं नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी माधवनगर अभिषेक चौबे के नेतृत्व में लगातार थाना माधवनगर क्षेत्र में नशा मुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। दिनांक 19.07.25 को थाना माधवनगर क्षेत्र के निगरानी/गुंडा बदमाशों को थाना में उपस्थित किया जाकर नशा मुक्ति अभियान के तहत उपस्थित व्यक्त्यों को नशे से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जागरुक किया गया तथा तम्बाकू, गुटखा, शराब, मादक पदार्थ तथा किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थों का सेवन करने से स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ने के साथ ही इनका सेवन करने से होने वाली गंभीर बीमारियों के बारे में जागरुक किया गया। अभियान के तहत मानस हेल्प लाइन नम्बर 1933, नेशनल सुसाइड हेल्प लाइन नम्बर 14416, नशामुक्ति हेल्पलाइन नम्बर 14446 के बारे में भी बताया गया। इसी तारतम्य में नशा न करने के संबंध में शपथ दिलाई गई। थाना क्षेत्र में चलने वाले आटो रिक्शा, स्कूल बस, स्कूल वेन पर नशा मुक्ति के संबंध में पोस्टर लगाये व अन्य लोगों को जागरुक करने के लिये पोस्टर चस्पा किए गए और पंपलेट बाँटे गये ।

निर्माण कार्य में आ रही समस्या को संज्ञान में लेकर महापौर ने स्थल निरीक्षण कर किया समस्या का निराकरण

कटनी।

निगम प्रशासन द्वारा नागरिकों की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए विभिन्न विकास कार्य कराये जा रहे है। इसी श्रृंखला में वंश स्वरूप वार्ड की लाल पहाड़ी बस्ती में लगभग 22 लाख की लागत से नागरिकों के सुगम जल निकासी की व्यवस्था हेतु कराये जा रहे नाली निर्माण कार्य के संबध में क्षेत्रीय महिला द्वारा महापौर श्रीमती प्रीति सूरी को दूरभाष में शिकायत किये जानें पर महापौर द्वारा शिकायत को संज्ञान में लेकर स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एमआईसी सदस्य सुभाष साहू, डॉ रमेश सोनी, उमेन्द्र अहिरवार, पूर्व पार्षद कमलेश चैधरी सहित निगम के अधिकारी एवं निर्माण एजेंसी के ठेकेदार की उपस्थिति रही। निरीक्षण के दौरान अन्य बस्ती में नाली निर्माण की मांग किये जानें की बात पर महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा क्षेत्रीय उपयंत्री श्री संजय मिश्रा को नाली निर्माण कार्य पूर्ण होनें के उपरांत अन्य गलियों की नालियों को मुख्य नाली से जोड़नें का प्रस्ताव तैयार करानें के निर्देश दिये गए। जिसपर नागरिकों द्वारा प्रसन्नता जाहिर की जाकर धन्यवाद ज्ञापित किया गया। लाल पहाड़ी की समस्या के निराकरण उपरांत महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा मदन मोहन चैबे वार्ड पहुंचकर स्थानीय पार्षद श्रीमती सुशीला मिश्रीलाल के साथ खदान किनारे बस्ती में 27 लाख की लागत से विभिन्न 5 गलियों एवं एक मुख्य मार्ग में नव निर्मित सड़क का पैदल भ्रमण कर निरीक्षण किया गया।

अवैध कॉलोनी निर्माण पर बड़ी कार्रवाई, भूमि स्वामियों पर 10-10 लाख का जुर्माना और एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

दुर्गेश बर्मन/डिंडौरी /फतवा

जिले में अवैध तरीके से बड़े जोर शोर से कालोनियों का कार्य नियम को दरकिनार कर चल रहे पर प्रशासन ने कसा शिकंजा लगाया 10.10 लाख का जुर्माना एफ आई आर के दिए निर्देश हालांकि की यह सिलसिला लंबे समय से ही चला आ रहा है।ओर मीडिया द्वारा समय समय पर अवैध रूप से संचालित कालोनियों की जानकारी भी प्रिंट मीडिया ओर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा शासन प्रशासन की नजर पर लाने का लगातार प्रयास किया गया है और इनके कारनामे सामने लाए गए हैं जो कि नियम को दरकिनार कर कालोनी निर्माण कराए जा रहे कॉलोनाइजर पर प्रशासन की नजर अब नहीं होगी नियम विरुद्ध कोई भी कालोनी का कार्य ।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या द्वारा अवैध कॉलोनी निर्माण के प्रकरण में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। अनुविभागीय अधिकारी (रा.) डिंडौरी से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर बिना सक्षम स्वीकृति के कॉलोनी निर्माण किए जाने का मामला सामने आया है। भूमि स्वामी लोकेश खैरवार पिता हरिनारायण खैरवार, निवासी डिंडौरी द्वारा उक्त भूमि को छोटे-छोटे सात भू-खण्डों में विभाजित कर विक्रय किया गया, जो मध्यप्रदेश नगर पालिका नियम 1961 की धारा 339 (ग) के अंतर्गत अवैध कॉलोनी निर्माण की श्रेणी में आता है। बिना अनुमति के कॉलोनी विकास करना कानूनन दंडनीय अपराध है।

प्रशासनिक जांच में स्पष्ट पाया गया कि अनावेदक ने 0.1500 हेक्टेयर भूमि को अवैध रूप से कॉलोनी निर्माण हेतु उपयोग किया, जबकि कॉलोनी विकास हेतु न्यूनतम 2.00 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार भूमि स्वामी नितिल जैन पिता राजेन्द्र जैन निवासी डिंडौरी के द्वारा भूमि खसरा नं. 12/7/2/1/1/1/1 रकबा 0.1120 हे. एवं खसरा नं. 12/6/2//1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.1380 हे. में से 04 एवं 07 कुल 11 भू-खण्डों में विभाजित कर विक्रय किया गया है। भूमि स्वामी श्रीमती किरण खनूजा पति ज्ञानचंद्र खनूजा एवं आनंद खनूजा पिता ज्ञानचंद्र खनूजा निवासी डिंडौरी के द्वारा भूमि खसरा नं. 273/1/6 रकबा 0.98 हे. एवं खसरा नं. 106/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 0.2390 हे. में से 11 एवं 10/कुल 21 भू-खण्डों में विभाजित कर विक्रय किया गया है। भूमि स्वामी हरीशराज पिता तिलकराज निवासी सुबखार डिंडौरी के द्वारा भूमि खसरा नं. 35/1/1/1/2/1/1/1/1 रकबा 0.2370 हे. में से 06 भू-खण्डों में विभाजित कर विक्रय किया गया है। भूमि स्वामी आशीष जैन पिता आनंद कुमार जैन निवासी डिंडौरी के द्वारा भूमि खसरा नं. 468/9 रकबा 0.202 हे. में से 07 भू-खण्डों में विभाजित कर विक्रय किया गया है। भूमि स्वामी आरती कटारे पति नरेन्द्र कटारे निवासी डिंडौरी के द्वारा भूमि खसरा नं. 1/1/19/7/2 रकबा 0.084 हे. एवं खसरा नं. 1/19/3/3 रकबा 0.024 हे. भूमि में से 09 भू-खण्डों में विभाजित कर विक्रय किया गया है। भूमि स्वामी अमीन अफजल निवासी डिंडौरी के द्वारा भूमि खसरा नं. 79/1/3/1 रकबा 0.021 हे. भूमि में से 13 भू-खण्डों में विभाजित कर विक्रय किया गया है। भूमि स्वामी पंकज कुमार जैन पिता चन्द्रप्रकाश जैन निवासी डिंडौरी के द्वारा भूमि खसरा नं. 128/1/1/1/1/1/1/1/1 रकबा 1.6970 हे. भूमि में से 12 भू-खण्डों में विभाजित कर विक्रय किया गया है। भूमि स्वामी चैतू सिंह पिता बच्चू सिंह निवासी डिंडौरी के द्वारा भूमि खसरा नं. 286/1/1/1/1 रकबा 0.16 हे. भूमि में से 07 भू-खण्डों में विभाजित कर विक्रय किया गया है।

अनावेदकों द्वारा प्रस्तुत जवाब में जनसंख्या, भूमि रकबा एवं नियमों की व्याख्या दी गई, किन्तु दस्तावेजी साक्ष्य एवं प्रतिवेदन के अवलोकन के उपरांत यह सिद्ध हुआ कि बिना अनुमति भूखंड विक्रय किया गया है।

इस आधार पर कलेक्टर ने अनावेदकों पर दस-दस लाख रुपए का जुर्माना अधिरोपित किया गया है। नगर परिषद डिंडौरी के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया है कि एफ.आई.आर. दर्ज कर न्यायालय को सूचित करें। साथ ही तत्कालीन हल्का पटवारी और वार्ड प्रभारी, जिन्होंने समय पर रिपोर्ट नहीं की, उन पर दो-दो हजार रूपए का अर्थदंड अधिरोपित किया गया है एवं सेवा पुस्तिका में प्रविष्टि दर्ज करने हेतु निर्देश जारी किए गए हैं। तहसीलदार डिंडौरी को भू-प्रविष्टि में संबंधित भूमि को ÷प्रतिबंधित एवं अहस्तांतरणीय÷ दर्ज करने का आदेश दिया गया है।

प्रभारी मंत्री श्री दिलीप जायसवाल का सीधी दौरा कार्यक्रम जारी

जिला सत्कार अधिकारी ने जानकारी देकर बताया है कि श्री दिलीप जायसवाल राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कुटीर एवं ग्रामोद्योग मध्यप्रदेश शासन एवं प्रभारी मंत्री जिला सीधी दिनांक 24.07.2025 को सीधी आयेंगे। प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल दिनांक 24.07.2025 को सुबह 9.30 बजे सीधी सर्किट हाउस पहुंचेगे।

वह सर्किट हाउस में सुबह 11 बजे जनप्रतिनिधियों/गणमान्य नागरिकों एवं जन सामान्य से भेंट करेंगे। प्रभारी मंत्री दोपहर 12 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में जिले के समस्त विभागों की समीक्षा बैठक लेंगे। इसके पश्चात प्रभारी स्थानीय कार्यक्रमों में सम्मिलित होंगे। प्रभारी मंत्री सायं 6 बजे सीधी से जिला रीवा के लिए प्रस्थान करेंगे।

रायपुर को देश का चौथा स्वच्छ शहर बनाने में योगदान के लिए उप मुख्यमंत्री ने स्वच्छता दीदियों और सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

रायपुर को नम्बर-1 बनाने स्वच्छता के कार्यों में बढ़ानी होगी जनसहभागिता - अरुण साव

बिलासपुर

स्वच्छता दीदियों और सफाई कर्मियों को सम्मानित करने आयोजित होगा राज्य स्तरीय कार्यक्रम

रायपुर नगर निगम द्वारा 25 स्वच्छता निरीक्षकों, 144 स्वच्छता दीदियों और 52 सफाई मित्रों का सम्मान

रायपुर को देश का सबसे साफ-सुथरा शहर बनाने के लिए स्वच्छता के कार्यों में जनसहभागिता बढ़ानी होगी। शहर के एक-एक व्यक्ति, एक-एक परिवार को इस मिशन से जोड़ना होगा, तभी हम रायपुर को देश का स्वच्छतम शहर बना सकेंगे। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने आज रायपुर के शहीद स्मारक भवन में आयोजित स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों के सम्मान समारोह में ये बातें कहीं। भारत सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर को मिलियन प्लस (दस लाख से अधिक) आबादी वाले शहरों में देश का चौथा सबसे स्वच्छ शहर, गारबेज-फ्री सिटी में सेवन स्टार रैंकिंग और वाटर प्लस सर्टिफिकेशन की उपलब्धियों में स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों के सक्रिय योगदान को रेखांकित करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। रायपुर नगर निगम द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में सभी जोनों के स्वच्छता अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ ही 25 स्वच्छता निरीक्षकों, 144 स्वच्छता दीदियों और 52 सफाई मित्रों को सम्मानित किया गया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय के स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर सहित प्रदेश के सात शहरों को स्वच्छता के लिए उत्कृष्ट कार्यों हेतु राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। स्वच्छ सर्वेक्षण में शामिल राज्य के 169 शहरों में से 115 शहरों ने अपनी रैंकिंग सुधारी है। छत्तीसगढ़ की इस उपलब्धि में स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों का अमूल्य योगदान है, जिसके लिए वे अभिनंदन के पात्र हैं।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा इनके सम्मान के लिए राज्य स्तरीय कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। श्री साव ने कहा कि शहरों को स्वच्छ, सुंदर और सुविधापूर्ण बनाने राज्य शासन नगरीय निकायों को हरसंभव सहयोग प्रदान कर रही है। शहरों को स्वच्छ और सुंदर बनाने नगरीय निकायों के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को जनसहभागिता बढ़ाने गंभीरता से काम करना होगा। रायपुर नगर निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने समारोह में कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण में रायपुर को जो उपलब्धियां हासिल हुई हैं, उसकी नींव की पत्थर हमारी स्वच्छता दीदियां और सफाई मित्र ही हैं। स्वच्छता सेवा और समर्पण का काम है जिसे ये पूर्ण मनोयोग से कर रही हैं। आने वाले समय में रायपुर को देश का सबसे साफ-सुथरा शहर बनाने के लिए हम सभी गंभीरता और सक्रियता से काम करेंगे।

सभापति श्री सूर्यकांत राठौर ने सफाई कर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोग शहर को साफ और सुंदर बनाने के लिए धूप, बरसात और ठंड में भी अपने कार्यों को अंजाम देते हैं। आप लोगों की मेहनत से हमें नई दिल्ली में सम्मानित होने का मौका मिला है। कोरोना महामारी के कठिन समय में भी आप लोगों ने सराहनीय काम किया है।

रायपुर नगर निगम में स्वास्थ्य विभाग की अध्यक्ष श्रीमती गायत्री चन्द्राकर और आयुक्त श्री विश्वदीप ने भी समारोह को संबोधित किया। निगम के अपर आयुक्त श्री यू.एस. अग्रवाल, श्री विनोद पाण्डेय और स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री प्रीति सिंह सहित सभी जोनों के अध्यक्ष, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, अधिकारी-कर्मचारी और सफाई कर्मी बड़ी संख्या में सम्मान समारोह में मौजूद थे।

भाजपा सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का चक्काजाम प्रदर्शन

मनेंद्रगढ़ /भाजपा सरकार द्वारा ईडी (ED) जैसी केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष को डराने-धमकाने के खिलाफ आज जिला कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा मनेंद्रगढ़ में जोरदार चक्काजाम आंदोलन किया गया।इस विरोध प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार को स्पष्ट संदेश दिया कि कांग्रेस कार्यकर्ता सरकार की दमनकारी नीतियों से डरने वाले नहीं हैं।लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा।कांग्रेसजनों ने भाजपा के खिलाफ नारेबाजी कर केंद्र सरकार की तानाशाही प्रवृत्ति की कड़ी आलोचना की और आम जनता से लोकतंत्र बचाने की अपील की

'एमसीबी मनेंद्रगढ़ में बेलगाम अवैध कारोबार-तंत्र मौन क्यों?'

भूपेंद्र सिंह गंभीर

एमसीबी /जिले के मुख्यालय मनेंद्रगढ़ के बॉडर झगड़ाखान से लेकर मनेंद्रगढ़ व मनेंद्रगढ़ से लेकर चिरमिरी, खड़गंवा तक या कहे सम्पूर्ण जिले में इस वक्त बेलगाम दौड़ रहा है अवैध कारोबार का घोड़ा – कबाड़, सट्टा, गांजा, नशीली दवाएं और अवैध शराब जैसे कारोबार अब यहां आम हो चले हैं। सवाल यह है कि आखिर कौन है *

वो तंत्र जो जिले के युवाओं को अवैध धंधों का मंत्र दे रहा है?

जहां एक ओर युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण और विकास में भागीदार बनाना चाहिए, वहीं एमसीबी जिले में युवा पीढ़ी को अवैध कारोबारी बनने का नया रास्ता दिखाया जा रहा है – अवैध कारोबार का रास्ता।

हर गली, हर मोड़ पर 'गैरकानूनी कारोबार' का साम्राज्य

एनएच-43 से लेकर शहर के भीतरी इलाकों तक, मौहारपारा, बस स्टैंड, चैनपुर, शहर के वृद्धा आश्रम के पास हो या अरब बाबा के पास नाला पार क्षेत्र–हर कोने में सट्टा पट्टी, गांजा की बिक्री, अवैध शराब और कबाड़ माफिया का खुला खेल चल रहा है।आश्चर्य की बात ये है कि इन पर नकेल कसने वाले विभाग पूरी तरह मौन हैं। न कोई कार्रवाई, न ही कोई रोक-टोक।

झगराखांड हाई स्कूल में हुआ दूसरा जागरूकता सत्र, बालिकाओं को मिला डिजिटल साइबर सुरक्षा का प्रशिक्षण

एमसीबी/झगड़ाखांड

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बालिकाओं की सुरक्षा को लेकर एक अहम कदम उठाया गया। शासकीय हाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय झगराखांड में ÷ऑनलाइन सुरक्षा एवं साइबर जागरूकता÷ विषय पर द्वितीय सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. खाती के मार्गदर्शन एवं पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन सिंह के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन महिला सशक्तिकरण (हब) ÷मिशन शक्ति÷ के अंतर्गत जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा के नेतृत्व में सफलतापूर्वक किया गया। यह सत्र वर्तमान समय में बालिकाओं के प्रति बढ़ते हुए साइबर अपराधों की रोकथाम और उनसे सुरक्षा के लिए अत्यंत आवश्यक था। सत्र में ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी, बैंकिंग जालसाजी, मैलवेयर, रैनसमवेयर, सॉफ्टवेयर चोरी, डी-डॉस हमले एवं साइबर जासूसी जैसे खतरों के प्रति जागरूकता पर विशेष बल दिया गया। पुलिस विभाग से उपस्थित श्रीमती उषा राजवाड़े ने बालिकाओं को इंटरनेट से जुड़ी सावधानियों, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा साइबर अपराधों के प्रकार और उनसे कैसे बचा जाए, इस विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने साइबर हेल्पलाइन से संपर्क के तरीके और जागरूकता के स्तर को बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। सत्र में विशिष्ट भागीदारी निभाते हुए स्वयंसेवी श्रीमती अंजनी यादव (थाना झगराखांड) ने बालिकाओं को साइबर से जुड़ी नई चुनौतियों और अपराधों के प्रति सजग रहने की सीख दी। साथ ही महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला मिशन समन्वयक श्रीमती तारा कुशवाहा ने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान की भावना को साझा करते हुए बालिकाओं को विभिन्न प्रकार के अपराधों, उनके कारण और संभावित समाधान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने किशोरी बालिकाओं के लिए संचालित योजनाएं और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 की उपयोगिता के विषय में भी जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने बालिकाओं के संवैधानिक अधिकारों, शिक्षा, आत्मरक्षा एवं डिजिटल साक्षरता के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्हें आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति की जेंडर विशेषज्ञ सुश्री शैलजा गुप्ता एवं वित्तीय साक्षरता समन्वयक श्रीमती अनीता कुमारी साह द्वारा नोनी सुरक्षा योजना, सक्षम योजना, सखी निवास, शक्ति सदन, नारी अदालत, महतारी वंदन योजना, मातृ वंदन योजना एवं नवा बिहान जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में भी विस्तार से जानकारी साझा की गई। विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य श्रीमती रेखा पांडे तथा व्याख्याता संदीप तिर्की, साकेत बिहारी सिंह, श्रीमती संध्या भगत एवं सुश्री साक्षी यादव के सहयोग से पूरे सत्र का सफल आयोजन संभव हो सका। कार्यक्रम में बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए विभिन्न मुद्दों पर सवाल-जवाब किए और अपनी जागरूकता को नए स्तर तक पहुँचाया। सत्र का समापन बालिकाओं के सुरक्षित, सशक्त और उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ किया गया।

कलेक्टर जनदर्शन में समस्याओं के समाधान के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे रहे आम नागरिक

आज कलेक्टर जनदर्शन में 27 आवेदन हुए प्राप्त

एमसीबी

कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनदर्शन के माध्यम से आम नागरिकों की समस्याओं को सुना। जिले के ग्रामीणजन और नागरिकों ने जनदर्शन में अपनी छोटी.बड़ी समस्याओं को सीधे कलेक्टर के समक्ष रखा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त सभी आवेदनों को प्राथमिकता के साथ शीघ्रता से निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। जनदर्शन में आज कुल 27 आवेदन प्राप्त हुए। आज के जनदर्शन में आवेदक कमला देवी निवासी खोंगापानी भूमि के संबंध में, संजय मुक्ति प्रताप एक्का निवासी मनवारी भूमि के संबंध में, सनमन मिंज निवासी बौरीडांड पट्टा देने के संबंध में, प्रधान पाठक सरस्वती शिशु मंदिर बहरासी अनुदान राशि प्राप्त न होने के संबंध में, मीनू केवट निवासी जनकपुर बच्चे के इलाज के संबंध में, राम चंद निवासी चिरमिरी बैंक में पैसा जमा है नही देने के संबंध में, गोलारी देवी निवासी चिरमिरी उचित कार्यवाही एवं उचित न्याय हेतु स्मरण पत्र के संबंध में, श्री राम सत्संग सेवा समिति मनेंद्रगढ मास बिक्री पर रोक लगाने के संबंध में, संतलाल निवासी डिहुली शासकीय उचित मूल्य दुकान भवन स्वीकृत करने के संबंध में, आनंद कुमार गुप्ता निवासी केल्हारी भूमि के संबंध में, इंद्र कुंवर निवासी उजियारपुर वेतन मार्च माह से आवेदिका को अप्राप्त के संबंध में, रघुनाथ निवासी रिसागाड़ा भूमि के संबंध में, जगधारी निवासी मुर्किल भूमि के संबंध में, विश्राम निवासी मुर्किल भूमि के संबंध में, नारायण सिंह निवासी ठिसकोली भूमि के संबंध में, ललिता यादव निवासी पतरापाली स्थानांतरण प्रमाण पत्र एवं चरित्र प्रमाण पत्र नही देने के संबंध में, ओमप्रकाश जैन निवासी मनेंद्रगढ सीमांकन कराये जाने के संबंध में, तेजस्वनि गर्ग निवासी कोरिया संस्कृत विश्विद्यालय सिरौली का नवीनीकरण के संबंध में, संस्कृत विश्वविद्यालय मौहारीडांड चिरमिरी का नवीनीकरण के संबंध में, वसुंधरा महिला स्वयं सहायता समूह चनवारीडांड भुगतान के संबंध में, धीरज मौर्य निवासी पसौरी आयुष्मान आरोग्य मन्दिर घाघरा में कर्मचारियों की मांग के संबंध में, मो. कसीम निवासी नई लेदरी पीएम आवास योजना में हो रहे अन्याय के संबंध में, संतोष पैसा लेकर भर्ती करने के संबंध में, मनीष सिंह निवासी खोंगापानी पेड़ के डालियों के छटाई एवं कटाई करने के संबंध में एवं सप्ताह के दो दिन पटवारी की अनिवार्यतः उपस्थिति सुनिश्चित किये जाने के संबंध में, शिकायत के संबंध में, रंजीत सिंह निवासी मनेंद्रगढ भूमि के संबंध में,के संबंध में शिकायत लेकर उपस्थित हुए थे। कलेक्टर ने प्राप्त सभी आवेदनों को पूरी गंभीरता से सुनते हुए संबंधित विभागों को उचित कार्यवाही करते हुए त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए।

पशु सखियों को मिला उन्नत पशुपालन का प्रशिक्षण, 17 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

बिलासपुर

कृषि विज्ञान केन्द्र, बिलासपुर में एनआरएलएम योजना के अंतर्गत पशु सखियों का 17 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम भारत सरकार की राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ए-हेल्प द्वारा प्रायोजित किया गया था। जिसका आयोजन संचालनालय पशु चिकित्सा सेवाएं, छ.ग. राज्य पशुधन विकास अभिकरण एवं इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान केन्द्र बिलासपुर के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर श्री सुरेश चंद्रवंशी, अध्यक्ष, छ.ग. राज्य कृषक कल्याण परिषद शामिल हुए। उन्होंने अपने उद्बोधन में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में पशुधन के विकास हेतु पशु सखियां का कौशल विकास प्रशिक्षण काम आयेगा। साथ ही पशु सखियों के रूप में नारी शक्ति जगेंगी तो सारी समस्या दूर होगी। उन्होंने कहा यदि हम पशुओं की उचित देखभाल करने हेतु स्वयं ही अग्रसर हो जायें तो पशुधन पारिवारिक आय का एक मुख्य स्त्रोत हो सकता है। कौशल विकास प्रशिक्षण के माध्यम से पशु सखियां पशुपालन एवं इससे संबंधित आयामों की आधुनिक तकनीकों को स्व-रोजगार के उपाय सृजित कर सकती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री माथी सिंह, प्रदेशाध्यक्ष, भारतीय किसान संघ छ.ग. ने गौ-आधारित खेती को अपनाने पर जोर दिया और कहा कि पशुधन पालन करके ही जैविक खादों का प्रयोग खेती में करके भूमि को लंबे समय तक उपजाऊ रखा जा सकता है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे डॉ. एस. एस. टुटेजा, निदेशक, विस्तार सेवाएं, ई. गां.कृ.वि. रायपुर ने कहा कि इस प्रशिक्षण के उपरांत प्रशिक्षित पशु सखियाँ पशुओं का टीकाकरण, स्वास्थ्य परीक्षण, कृत्रिम गर्भाधान आदि कार्यों को निश्चित तौर पर गांव में सहयोग कर सकती हैं तथा पशुपालन हेतु ग्रामीणों को प्रेरित कर सकती हैं। इस अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित कृषि महाविद्यालय, बिलासपुर के अधिष्ठाता, डॉ. एन. के. चौरे ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पशु सखियों को पशुओं के देखभाल हेतु सम्पूर्ण पहलुओं में निपुण कर देगा।

सफलता की कहानी : बिहान योजना से बदली सोनाक्षी की तकदीर

आत्मनिर्भरता की मिसाल बनकर लखपति दीदी बनने की ओर अग्रसर

बिलासपुर

जिले के आदिवासी बहुल कोटा विकासखंड के सुदूर गांव धनरास की रहने वाली सोनाक्षी अब अपने गांव की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। पहले जहां वह सीमित संसाधनों के बीच संघर्षमय जीवन जी रही थीं, वहीं अब बिहान योजना के माध्यम से आत्मनिर्भर बनकर लखपति दीदी बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही हैं। सोनाक्षी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन से महिलाओं की जिंदगी बदल रही है। राज्य शासन की राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान योजना) ने सोनाक्षी के जीवन में एक नया बदलाव लाया है। उन्होंने स्वयं सहायता समूह जय मां बंजारी देवी के माध्यम से स्वरोजगार की राह पकड़ी और सिलाई-कढ़ाई जैसे कार्यों से शुरूआत की है जिससे उनकी आजीविका में वृद्धि हुई। समय के साथ उन्होंने अपने हुनर को व्यवसाय में बदला और अब वह स्थानीय बाजार में भी कपड़े, बैग बेचकर प्रतिमा 8 से 10 हजार की कमाई कर रही हैं। सोनाक्षी बताती हैं, ÷पहले घर की ज़रूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। परिवार की जिम्मेदारी और घर के हालात ऐसे नहीं थी कि कुछ व्यवसाय कर सकें। लेकिन तीन साल पहले बिहान योजना से जुड़ने के बाद समूह से मुझे हौसला मिला और ऋण भी जिससे मैने सिलाई मशीन खरीदी और अपना काम शुरू किया और आज मेरी पहचान एक मेहनती उद्यमी महिला के रूप में हो रही है।÷ सोनाक्षी की मेहनत और समर्पण को देखकर गांव की कई अन्य महिलाएं भी प्रेरित हो रही हैं और स्वयं सहायता समूह से जुड़कर अपनी आजीविका को मजबूत बना रही हैं।

सोनाक्षी अब लखपति दीदी बनने की ओर अग्रसर हैं। सोनाक्षी ने बताया कि उसे शासन की कई अन्य योजनाओं का भी लाभ मिल रहा है, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्का आवास, उज्ज्वला कनेक्शन और महतारी वंदन योजना से मिल रही राशि ने उनके जीवन को आसान बना दिया हैं।

उल्लेखनीय है कि बिहान योजना के तहत महिलाओं को प्रशिक्षण, ऋण सुविधा और विपणन का अवसर मिल रहा है। इस योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही विभिन्न आजीविका गतिविधियों से लखपति दीदी बनाना है ताकि वे परिवार और समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी सकें।

छत्तीसगढ़ क्षेत्र के लिए संपर्क करें पेपर, विज्ञापन, समाचार ,एजेंसी हेतु संपर्क करें आपके अपने क्षेत्र के लिए

धर्मेंद्र वस्त्रकर
स्थानीय संपादक कार्यालय बिलासपुर

सौंदर्या शर्मा का पूरा हुआ सपना

बॉलीवुड एक्ट्रेस सौंदर्या शर्मा की जिंदगी इस कहावत को सच साबित करती है कि जहां चाह, वहां राह। कभी दांतों की डॉक्टर रहीं सौंदर्या आज फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुकी हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में उन्होंने अपनी दिलचस्प जर्नी साझा की। जब उनसे पूछा गया कि डेंटिस्ट से एक्ट्रेस बनने का सफर कैसे तय हुआ, तो सौंदर्या ने बताया कि वह लॉस एंजेलिस सिर्फ मेहनत करने और ट्रेनिंग लेने गई थीं। वह काम की तलाश में थीं और खुद को तैयार कर रही थीं, लेकिन इस दौरान उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें इसमें मजा नहीं आ रहा। उनका दिल हमेशा से एक्टिंग में था। सौंदर्या ने बताया कि वह खुद को स्क्रीन पर देखना चाहती थीं, बड़ी और फेमस बनना चाहती थीं। उन्होंने ये भी कहा कि बचपन में उन्हें नहीं पता था कि एक्टिंग भी एक प्रोफेशन हो सकता है, क्योंकि हमारे समाज में सिंगिंग और डांसिंग ही ग्लैमर का मापदंड माने जाते हैं। सौंदर्या ने बताया कि उनके परिवार में इस क्षेत्र को बहुत इज्जत मिलती थी, लेकिन किसी ने नहीं सोचा था कि उनकी बेटी ही एक दिन पर्दे पर नजर आएगी।

कुशा कपिला को मिला नया प्यार

एक्ट्रेस और कंटेंट क्रिएटर कुशा कपिला एक बार फिर प्यार में डूबी नजर आ रही हैं। जोरावर सिंह से छह साल की शादी खत्म करने के बाद अब उनकी जिंदगी में किसी खास की एंट्री हुई है। हाल ही में कुशा ने अपने इंस्टाग्राम पर तस्वीरों की एक सीरीज साझा की है, जिनमें वो खुश और सुकून भरे पलों में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों के साथ उन्होंने एक लंबा और भावुक नोट भी लिखा, जिससे उनके दिल की बात झलकती है। हालांकि उन्होंने साफ तौर पर किसी का नाम नहीं लिया और न ही तस्वीरों में उस शख्स की पहचान हो सकी है, लेकिन उनका अंदाज और शब्दों का चयन इस ओर इशारा करता है कि वो दोबारा प्यार में हैं। फैंस और इंडस्ट्री के लोग इस नए पड़ाव के लिए कुशा को शुभकामनाएं दे रहे हैं। अपनी बेबाक राय और दिलचस्प अंदाज के लिए मशहूर कुशा कपिला की ये पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। उनके चाहने वाले अब यह जानने को उत्सुक हैं कि आखिर वह शख्स कौन है जिसने कुशा के चेहरे पर फिर से मुस्कान ला दी है।

सेबी ने डब्बा कारोबार को बताया अवैध, निवेशकों को सतर्क रहने की दी गई सलाह

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक बार फिर डब्बा कारोबार को अवैध करार देते हुए निवेशकों को इससे दूर रहने की चेतावनी दी है। हाल ही में जारी किए गए बयान में सेबी ने कहा कि डब्बा कारोबार न केवल गैरकानूनी है, बल्कि यह निवेशकों के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम भी उत्पन्न करता है। डब्बा कारोबार दरअसल एक अवैध लेन-देन प्रणाली है, जिसमें ट्रेडिंग औपचारिक शेयर बाजार के बाहर होती है। इसमें न तो असली शेयर खरीदे जाते हैं और न ही ब्रोकर सेबी द्वारा पंजीकृत होता है। यह कारोबार पूरी तरह नियामकीय निगरानी से बाहर होता है और निवेशक के पैसे के दुरुपयोग की पूरी आशंका होती है। सेबी ने कहा कि ऐसी गतिविधियां प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) अधिनियम, 1956, सेबी अधिनियम, 1992 और भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रावधानों का उल्लंघन करती हैं। हाल ही में एक समाचार पत्र में छपे डब्बा कारोबार को बढ़ावा देने वाले विज्ञापन पर संज्ञान लेते हुए सेबी ने एनएसई के साथ मिलकर कई कदम उठाए हैं। संबंधित समाचार पत्र को नोटिस भेजा गया है और साइबर पुलिस में भी शिकायत दर्ज कराई गई है। सेबी ने भारतीय विज्ञापन मानक परिषद से भी हस्तक्षेप करने को कहा है। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने भी निवेशकों को चेताते हुए केवल सेबी-पंजीकृत ब्रोकर और मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंज के माध्यम से ही ट्रेडिंग करने की सलाह दी है। सेबी ने कहा है कि वह निवेशकों की सुरक्षा के लिए सख्त नियामकीय और कानूनी कदम उठाता रहेगा।

चंदा कोचर दोषी करार: वीडियोकॉन को लोन के बदले 64 करोड़ की रिश्वत का खुलासा

चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन किया

मुंबई ■ एजेंसी

आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को एक अपीलेट ट्रिब्यूनल ने 64 करोड़ रुपए की रिश्वत लेने का दोषी पाया है। यह रिश्वत वीडियोकॉन ग्रुप को दिए गए 300 करोड़ रुपए के लोन के बदले में ली गई थी। ट्रिब्यूनल ने इसे क्विड प्रो क्वो यानी कुछ के बदले कुछ का स्पष्ट मामला बताया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अनुसार चंदा कोचर ने बैंक की आंतरिक नीतियों और हितों के टकराव के नियमों का उल्लंघन करते हुए यह लोन पास किया। उन्होंने अपने पति दीपक कोचर और वीडियोकॉन समूह के बीच व्यावसायिक रिश्तों को छुपाया, जो बैंकिंग नियमों के खिलाफ है। ट्रिब्यूनल की जांच में पता चला कि आईसीआईसीआई बैंक द्वारा वीडियोकॉन को लोन मंजूर करने के एक दिन बाद ही, वीडियोकॉन की एक सहयोगी कंपनी एसईपीएल से 64 करोड़ रुपए एनआरपीएल को ट्रांसफर किए गए। यह कंपनी कागजों पर वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत की थी, लेकिन इसका असली नियंत्रण दीपक कोचर के पास था, जो इसके मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। ट्रिब्यूनल ने वर्ष 2020 में एक अथॉरिटी द्वारा कोचर दंपति की 78 करोड़ की संपत्ति रिलीज किए जाने के आदेश को भी गलत करार दिया। उसने कहा कि उस फैसले में अहम साक्ष्यों की अनदेखी की गई थी। ईडी द्वारा पेश की गई टाइमलाइन और दस्तावेजों को ट्रिब्यूनल ने मजबूत और विश्वसनीय माना है। यह फैसला बैंकिंग क्षेत्र में नैतिकता और जवाबदेही को लेकर गंभीर सवाल खड़ा करता है।

भारत में विमानन कंपनियों पर सुरक्षा से ज्यादा प्रचार खर्च करने का आरोपः सर्वेक्षण

सर्वेक्षण में देश के 322 जिलों से लगभग 44,000 लोगों ने भाग लिया

मुंबई ■ एजेंसी

लोकल सर्किल्स द्वारा किए गए अखिल भारतीय ऑनलाइन सर्वेक्षण में करीब 76 प्रतिशत यात्रियों ने माना है कि भारत की कई विमानन कंपनियां यात्री सुरक्षा सुनिश्चित करने की तुलना में प्रचार-प्रसार पर अधिक खर्च कर रही हैं। सर्वेक्षण में देश के 322 जिलों से लगभग 44,000 लोगों ने भाग लिया, जिनमें 63 प्रतिशत पुरुष और 37 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि पिछले तीन वर्षों में 64 प्रतिशत यात्रियों ने उड़ान के दौरान किसी न किसी प्रकार की कठिनाई का सामना किया है। इनमें उड़ान भरते या उतरते समय जटिल परिस्थितियां और तकनीकी समस्याएं शामिल हैं। हाल के दिनों

में एयर इंडिया की बोइंग 787-8 विमान की अहमदाबाद से लंदन की उड़ान के तुरंत बाद दुर्घटना, जिसमें 241 यात्रियों सहित कुल 260 लोगों की मौत हुई, ने देश में विमान सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा, कोच्चि-मुंबई उड़ान का रनवे से बाहर निकलना, दिल्ली-कोलकाता उड़ान का तकनीकी खराबी के कारण रद्द होना, गोवा से इंडिगो की उड़ान में लैंडिंग गियर की समस्या, तथा स्पाइसजेट की उड़ान में खिड़की का फ्रेम टूटना जैसी घटनाओं ने यात्रियों में भय और असुरक्षा की भावना को बढ़ावा दिया है। सर्वेक्षण में सुरक्षा और प्रचार खर्च के संबंध में पूछे गए प्रश्न पर 43 प्रतिशत ने माना कि सभी विमानन कंपनियां प्रचार पर अधिक खर्च करती हैं, जबकि 33 प्रतिशत ने कहा कि कुछ कंपनियां ऐसा करती हैं। केवल 11 प्रतिशत ने कहा कि कोई भी ऐसा नहीं करता।

वर्धा में जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने 43 मेगावाट सौर क्षमता जोड़ी

नई दिल्ली। जुनिपर ग्रीन एनर्जी ने मंगलवार को महाराष्ट्र के वर्धा स्थित अपनी परियोजना में 43 मेगावाट अतिरिक्त सौर क्षमता जोड़ने की घोषणा की। यह विस्तार 129 मेगावाट की हाइब्रिड विद्युत परियोजना का हिस्सा है, जिसकी कुल सौर क्षमता अब 103 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। कंपनी अपनी अनुषंगी संस्था, जुनिपर ग्रीन पावर फाइव प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड को बिजली की आपूर्ति कर रही है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की स्वच्छ ऊर्जा आवश्यकताओं में कंपनी के योगदान को दर्शाती है। जुनिपर ग्रीन एनर्जी भारत की एक अग्रणी स्वतंत्र नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादक कंपनी है, जो सौर, पवन और हाइब्रिड परियोजनाओं के विकास, निर्माण और संचालन पर केंद्रित है।

चीन में एप्पल को पछाड़ हुआवे बना नंबर-1 ब्रांड

मुंबई ■ एजेंसी

चीन के स्मार्टफोन बाजार में 2025 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) के दौरान कुल बिक्री में 2.4 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। यह गिरावट पिछले साल की समान अवधि की तुलना में है। इस दौरान अमेरिकी कंपनी एप्पल की बिक्री में 1.6 फीसदी की कमी आई है, जबकि घरेलू ब्रांड हुआवे ने 17.6 फीसदी की

तेज़ वृद्धि दर्ज की। अब हुआवे 18.1 फीसदी मार्केट शेयर के साथ चीन की सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी बन गई है। हुआवे की मेटे सीरीज और उन्नत 5जी फोन्स ने बाजार में उसकी पकड़ मजबूत की है। साथ ही राष्ट्रीय ब्रांड के रूप में उसे सरकार और उपभोक्ताओं से व्यापक समर्थन मिल रहा है। दूसरी ओर एप्पल को अब स्थानीय ब्रांड्स से कड़ी टक्कर मिल रही है, खासकर प्रीमियम सेगमेंट में। झिओमी और हुआवे जैसे ब्रांड तेजी से आईफोन की जगह ले रहे हैं, जिससे एप्पल की चीन में स्थिति चुनौतीपूर्ण होती जा

भारत-पाक मैच रद्द होने पर ब्रैट की संतुलित रही प्रतिक्रिया

लंदन। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में ऑस्ट्रेलियाई चैंपियंस टीम की कप्तानी कर रहे पूर्व तेज गेंदबाज ब्रैट ली ने भारत-पाक मैच रद्द होने की स्थिति को कठिन बताया है और कहा कि वैश्विक खेलों में हमें आपसी सम्मान और समावेशिता पर जोर देना चाहिये। भारतीय खिलाड़ियों ने पहलगाम आतंकी हमले के कारण पाक के खिलाफ खेलने से इंकार कर दिया था जिससे ये मैच रद्द हो गया। वहीं ली से जब इस बारे में पूछ गया तो उन्होंने तटस्थ रुख अपनाते हुए कहा कि मुझे दोनो से ही प्यार है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वे इस बारे में स्वयं तय करें कि पर सबसे जरूरी बात यह है कि हम यहां एक टूर्नामेंट के लिए हैं, इसलिए समावेशी होने की जरुरत है। वहीं डब्लयूसीएल आयोजकों ने कहा कि भारत-पाकिस्तान मैच की योजना तभी बनाई गई जब यह साफ हो गया था कि पाकिस्तानी हॉकी टीम भारत का दौरा करेगी। इससे उन्हें लगा कि उस समय दोनों देशों के बीच खेल संबंध ठीक थे। भारतीय चैंपियन अब इस टूर्नामेंट अपने अभियान की शुरुआत 22 जुलाई को एबी डिविलियर्स की कप्तानी वाली दक्षिण अफ्रीका चैंपियन टीम के खिलाफ मुकाबले से करेगी।

भारतीय टीम ओल्ड ट्रेफर्ड में जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी

मैनचेस्टर ■ एजेंसी

भारतीय टीम यहां के ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरू हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। आंकड़ों पर नजर डाले तो इस मैच में भारतीय टीम की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उसे यहां आज तक एक भी जीत नहीं मिली है। इस मैदान पर भारतीय टीम ने अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर है जिसका नुकसान भी उसे उठाना पड़ेगा हालांकि इसके बाद भी टीम जीत दर्ज करने के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। युवा कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम का लक्ष्य इस मैदान पर पहली जीत दर्ज कर इससे जुड़े हार के मिथक को तोड़ना रहेगा। इसके लिए टीम को अपनी रणनीति में भी थोड़ा बदलाव करना होगा। लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नीतीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब इस मैच और सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी पूरी करनी होगी। वहीं रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रहने से भारतीय टीम के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाज़ी रहेगी। इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस सीरीज में अपनी उम्मीदें बनाये रखनी हैं तो उसे यहां जीत हासिल करनी होगी।

बीसीसीआई के एसीसी बैठक के बहिष्कार से एशिया कप पर खतरा मंडराया, पीसीबी को होगा भारी नुकसान

मुम्बई ■ एजेंसी

इस साल होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर संशय बना हुआ है। इस कारण ये है कि 24-25 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की सालाना आम बैठक (एजीएम) होनी है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसमें भाग लेने से इंकार कर दिया है। श्रीलंका और अफगानिस्तान बोर्ड भी इस बैठक से दूर रहेंगे। बीसीसीआई ने इस बैठक को बांग्लादेश में कराने का विरोध किया था क्योंकि बांग्लादेश में पिछले साल शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से हालात ठीक नहीं है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की धड़कने बढ़ी हुई हैं। इसका कारण है कि एशिया कप के रद्द होने या स्थगित होने प उसे मोट नुकसान होगा।
पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी इस समय एसीसी के चेयरमैन हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट से होने वाली आय से उसे काफी फायदा होता है। इस टूर्नामेंट की अनुमानित आय लगभग 1.16 अरब पाकिस्तानी रुपये है, जो वित्तीय वर्ष के लिए उसकी कुल अनुमानित आय 8.8 अरब पाकिस्तानी रुपये का हिस्सा है।

एलआईसी ने बढ़ाई एसबीआई में हिस्सेदारी, क्यूआईपी के माध्यम से जुटाए 25,000 करोड़

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। एलआईसी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए एसबीआई में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश के तहत एलआईसी ने एसबीआई में 0.28 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है, जिससे उसकी कुल हिस्सेदारी अब 9.49 प्रतिशत हो गई है। एलआईसी के पास अब एसबीआई के 87.58 करोड़ शेयर हैं, जबकि इससे पहले वह 81.46 करोड़ शेयर (9.21 प्रतिशत हिस्सेदारी) का मालिक था। एलआईसी ने यह निवेश 817 प्रति शेयर की दर से किया है और कुल राशि बैंक को ट्रांसफर कर दी गई है। वहीं एसबीआई ने क्यूआईपी के जरिए कुल 25,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बैंक ने इस प्रक्रिया में 30.59 करोड़ शेयर 817 प्रति शेयर की कीमत पर जारी किए। एसबीआई ने बताया कि इस फंड का उपयोग लोन ग्रोथ को बढ़ावा देने, अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने और कॉमन इक्विटी टियर-1 कैपिटल को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। क्यूआईपी को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए एसबीआई ने छह निवेश बैंकों की मदद ली। इसके अलावा एसबीआई के सेंट्रल बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 में प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए लगभग 3 बिलियन डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) जुटाने को मंजूरी दी है।

लंबा या गोल पपीता कौन सा होता है ज्यादा मीठा, खरीदने से पहले जान लें इसके फायदे

स्वस्थ रहना है तो डाइट में पपीता जरूर शामिल करें। विटामिन और फाइबर से भरपूर पपीता सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। पपीता खाने से पेट साफ होता है। विटामिन ए से भरपूर पपीता आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। मीठा और पका पपीता खाने में भी बहुत टेस्टी लगता है। लेकिन कई बार लोग अच्छे पपीते की पहचान नहीं कर पाते हैं। बाजार में दो तरह के पपीता मिलते हैं लंबा और गोल, ऐसे में समझ नहीं आता कि कौन सा पपीता खरीदकर घर लाएं। दुकानदार को पूछो तो वो दोनों को ही मीठा और पका बताता है। लेकिन हम आपको मीठा पपीता खरीदने के टिप्स बता रहे हैं। जानिए लंबा या गोल कौन सा पपीता ज्यादा मीठा होता है?

लंबा या गोल कौन सा पपीता ज्यादा मीठा निकलता है

गोल और लंबा, दोनों तरह के पपीता बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। लेकिन इसमें से गोल पपीता ज्यादा मीठा होता है। गोल पपीता कम बीज वाला होता है। जबकि लंबा पपीता जिसे पूसा जाइंट किस्म का पपीता कहते हैं। ये पूरे साल आपको आसानी से मिल जाता है। इस पपीता में बीज ज्यादा होते हैं लेकिन ये गोल पपीता के मुकाबले कम मीठा और कम जूसी होता है।

मीठे पपीते की पहचान कैसे करें

आपने गोल पपीता खरीदने के लिए चुन लिया है, लेकिन इसकी भी पहचान करनी आनी चाहिए कि पपीता सही तरीके से पका है कि नहीं। इसके लिए सबसे पहले तो चेक कर लें कि पपीता पर हरी और नारंगी लाइन होनी चाहिए। यानि पपीता हरे से नारंगी रंग का हुआ है। ये पपीते के नेचुरली पकने का संकेत है। पपीता की ऊपरी परत चिकनी और एकदम फ्रेश लगनी चाहिए। ऐसा पपीता ज्यादा जूसी और मीठा निकलता है। पपीता खरीदने से पहले थोड़ा दबाकर चेक कर लें। इससे पता चल जाएगा कि पपीता रसीला और मीठा है।

पपीता के फायदे

रोजाना पपीता खाने से वजन घटाने में मदद मिलती है। पपीता एक लो कैलोरी फल है जिसे खाने से जल्दी पेट भरता है। पाचन बेहतर कर ये मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करता है।
पपीता खाने से कब्ज की समस्या को दूर किया जा सकता है। जिन लोगों का पेट सही से साफ नहीं होता उन्हें रोजाना पपीता जरूर खाना चाहिए।
पपीता में भरपूर फाइबर होता है और पपेन नामक एंजाइम होता है जो पाचन में सुधार लाता है और शरीर में जमा फैट को तोड़ने का काम करता है। पपीता में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है जो शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। विटामिन सी व्हाइट ब्लड सेल्स बनाने को बढ़ावा और इन्फेक्शन को दूर रखते हैं।
पपीता में विटामिन सी के अलावा विटामिन ए और कई मिनरल पाए जाते हैं जो मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करते हैं।

लोहे के बर्तन में भूलकर भी न पकाएं खाने की ये चीजें, जानें कैसे करें Iron Cookware का सही इस्तेमाल?

अगर आप स्वस्थ रहना चाहते हैं, तो मिट्टी के बर्तनों और लोहे के बर्तनों में खाना पकाएँ और खाएं, क्योंकि आजकल खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न प्रकार के बर्तन, जैसे एल्युमीनियम, स्टील, नॉन-स्टिक कुकवेयर जानलेवा हो सकते हैं। नॉन-स्टिक बर्तनों में खाना पकाने से कुछ स्वास्थ्य समस्याएं भी हो सकती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक नॉन-स्टिक बर्तनों का इस्तेमाल शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है। आजकल लोग बीमारियों के प्रति ज़्यादा जागरूक हो गए हैं। यही वजह है कि जो लोग स्वस्थ जीवनशैली अपनाना चाहते हैं, वे मिट्टी और लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल तेज़ी से कर रहे हैं। लेकिन लोहे के बर्तनों का इस्तेमाल करते समय कुछ सावधानियां बरतना बेहद ज़रूरी हो गया है। खासकर, कुछ तरह

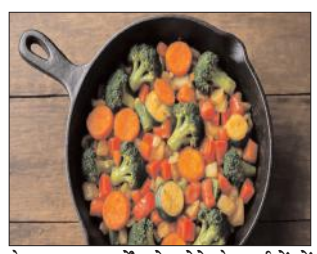

के खाद्य पदार्थों को लोहे के बर्तनों में नहीं पकाना चाहिए।

इन खाद्य पदार्थों को लोहे की कढ़ाई में न पकाएं:

खट्टे और अम्लीय खाद्य पदार्थ- नींबू, टमाटर, सिरका, दही और खट्टी कढ़ी जैसे अम्लीय चीजें लोहे के साथ प्रतिक्रिया कर सकती हैं। इससे न केवल व्यंजन में धातु जैसा स्वाद आ सकता है, बल्कि कुछ मामलों में एलर्जी भी हो सकती है। यदि आप इन व्यंजनों को लोहे के बर्तन में पकाने से बचें।
डेयरी उत्पाद- पनीर, दही और अन्य डेयरी उत्पादों को लोहे के बर्तनों में नहीं पकाना चाहिए। लोहे के साथ मिलने पर इनका स्वाद पूरी तरह बदल जाता है। इसके अलावा, जब डेयरी उत्पादों को लोहे के बर्तनों में पकाया जाता है, तो उनका रंग खराब हो जाता है और वे देखने में भी अच्छे नहीं लगते।
मछली- मछली परतदार और चिपचिपी बनावट के कारण लोहे के तवे पर चिपक सकते हैं। तेल या मक्खन का इस्तेमाल करने के बावजूद भी यह समस्या आ सकती है, जिससे मछली का स्वाद और बनावट प्रभावित हो सकती है। धीमी आंच पर लोहे की कढ़ाई में मछली पकाने से बचना ही बेहतर है।
मिठाइयां- भले ही भारतीय मिठाइयां कढ़ाई में बनती हों, लोहे की कढ़ाई का इस्तेमाल कम ही होता है। लोहे के बर्तन में पहले से पके हुए खाने की गंध रह सकती है, जिससे मिठाइयों का स्वाद और खुशबू बदल सकती है।

लोहे के बर्तनों का रख-रखाव?

लोहे की कड़ाही में पका हुआ खाना तुरंत किसी दूसरे कांच या एनामेल के बर्तन में रख दें। कढ़ाई को तेज़ स्क्रबर या बहुत हल्के स्पंज से न रगड़ें। लोहे के बर्तन धोने के लिए हल्के डिटर्जेंट का इस्तेमाल करें। धोने के तुरंत बाद लोहे के बर्तनों को कपड़े से पोंछ लें। लोहे के बर्तनों को रखने से पहले उन पर सरसों के तेल की एक पतली परत लगाएं। पके हुए खाने को लोहे के बर्तनों में घंटों तक न रखें, क्योंकि इससे धातु जैसा स्वाद या गंध आ सकती है। बर्तन को जंग लगने से बचाने और उसकी गंध को दूर करने के लिए हमेशा उपयोग के बाद गर्म रहते ही साफ कर लें।

ग्राम जाखी सतना से जल संवर्धन की नई शुरुआत

सतना सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मंच के अध्यक्ष डॉ.यू.बी.सिंह परिहार के नेतृत्व में जल संरक्षण एवं संवर्धन गोष्ठी ग्राम जाखी में दिनांक 20/07/2025, रविवार को सम्पन्न। मुख्यअतिथि श्री रामानन्द सिंह से.नि. कार्यपालन यंत्री जल संसाधन तथा श्री जी पी सिंह जी से.नि. संयुक्त कमिश्नर की अध्यक्षता व श्री छोटे लाल पाण्डेय , श्री नरेन्द्र प्रताप सिंह,श्री जी पी चतुर्वेदी से.नि. कार्यपालन यंत्री विशिष्ट अतिथि रहे।

श्री धर्मेन्द्र प्रताप सिंह धरम के मंच संचालकत्व में मां सरस्वती जी की पूजा अर्चना पश्चात सुमधुर गीतकार श्री शैलेन्द्र सिंह परिहार शैल की वाणी वंदना के साथ गोष्ठी प्रारंभ हुई। डॉ यू बी सिंह परिहार जी अपने स्वागत भाषण में कहा कि जल जमीन जंगल जानवर के प्रति अपना नजरिया सकारात्मक करना होगा।रिचार्ज वाटर के संबंध में किसानों को इसी बरसात से सोचना होगा व जितने जल की आवश्यकता है उससे अधिक खर्च न करने का संकल्प लेना होगा।जल संरक्षण हेतु अपने उद्बोधन से ग्रामीण जनों में पानी के बचत संरक्षण व सदुपयोग की अपील किए।

मुख्यअतिथि श्री रामानन्द सिंह जी ने प्रकृति के उपादानों पर चर्चा करते हुए छिति जल पावक गगन समीरा पंच प्रकृति के अनमोल उपहारों के संरक्षण की नशीहद दिए। गोष्ठी में श्री ओम प्रकाश अग्रवाल,ब्लाक सरपंच संघ अध्यक्ष श्री शिवेन्द्र सिंह धौरा (सरपंच वीरपुर), श्री जी पी चतुर्वेदी जलविद ,श्री जय नारायण सिंह जी पूर्व सरपंच जाखी अपने विचार साझा किए। अध्यक्षीय उद्बोधन में श्री जी पी सिंह जी ने कहा कि इस गोष्ठी को केवल गोष्ठी तक सीमित न रखा जाए इसे एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में परिणित किया जाकर जाखी गांव से जल संवर्धन का कार्य प्रारम्भ किया जाए। देशी अनाज की खेती पर जोर के साथ, बंद पड़े बोरबेलों को रिस्टार्ट किया जाकर जल स्तर को बेहतर बनाया जाए। जल संवर्धन एवं संरक्षण हित काव्य गोष्ठी में शैलेन्द्र प्रताप सिंह शैल,श्री टी के सिंह परिहार बांसी रामनगर,श्री नरेंद्र प्रताप सिंह, श्री छोटे लाल पाण्डेय, श्री जी.पी सिंह,श्री अजीत सिंह परिहार कुंवर, श्री रामपाल सिंह परिहार, श्री नागेन्द्र प्रतिहार, श्री रमेश प्रताप सिंह जाखी,डॉ अरुण कुमार पयासी बघेली बांधव, यू बी सिंह परिहार, धर्मेन्द्र प्रताप सिंह धरम, पाठक जी ने जल से जुड़ी रचनाएं पढ़कर जनमानस को प्रोत्साहित किये। गोष्ठी का आभार प्रदर्शन जाखी सरपंच श्री भूपेन्द्र सिंह जी ने किया। शिवेन्द्र सिंह सरपंच धौरा,श्री अवध राज सिंह, नन्हे दाहिया सरपंच लालपुर, राजन सिंह सरपंच सेमरी, सरपंच मानिकपुर,राकेश कुमार, मनीष छेदी लाल पंच एवं ग्रामीणों ने जल संवर्धन गोष्ठी में भाग लिया।

सहायक कलेक्टर सुश्री सौम्या आनंद को सौंपा गया सीईओ जिला पंचायत शहडोल का दायित्व

शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने प्रशासनिक कार्य सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए सहायक कलेक्टर सुश्री सौम्या आनंद को अस्थायी रूप से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत शहडोल का दायित्व सौंपा है।

पुलिस उप महानिरीक्षक ने किया पौधरोपण

शहडोल

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के के नेतृत्व एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार पर्यावरण के संरक्षण एवं धरा का हरा-भरा बनाने के उददेष्य से एक पेड़ माँ के नाम अभियान प्रदेश भर में चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पुलिस उप महा निरीक्षक सुश्री सविता सुहाने, थाना प्रभारी श्री राघवेंद्र तिवारी, प्राचार्य सेंट्रल एकेडमी श्री संजय मिश्रा ने संभागीय मुख्यालय शहडोल सेंट्रल एकेडमी विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर पुलिस उप महानिरीक्षक सविता सुहाने ने कहा कि पेड़ पौधे न केवल हमारे जीवन का आधार हैं, बल्कि पर्यावरण को संतुलित रखने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। पेड़ पौधे हमें ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, भूमि के कटाव को रोकते हैं और जीव-जंतुओं का आश्रय स्थल भी होते हैं। पौधरोपण से वर्षा में वृद्धि, तापमान में कमी और हरियाली के साथ-साथ प्राकृतिक सौंदर्य में भी इजाफा होता है।

नशे से दूर रहकर विद्यार्थी जीवन को सकारात्मक दिशा में बढे आगे-पुलिस उप महानिरीक्षक

विद्यार्थियो ने लगाए नशे से दूरी है जरूरी के नारे लगाते हुए निकाली गई जागरूकता रैली

शहडोल

पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री सविता सुहाने की उपस्थिति में थाना ब्यौहारी अंतर्गत भारतीय विद्यालय ब्यौहारी में नशे के दूरी है जरूरी अभियान के तहत जन जागरूकता कार्यक्रम एवं जागरूकता रैली निकाली गई। जागरूकता कार्यक्रम में पुलिस उप महा निरीक्षक सुश्री सविता सुहाने ने कहा कि नशा न केवल स्वास्थ्य के लिए घातक है, बल्कि परिवार एवं समाज के लिए भी गंभीर समस्याओं को जन्म देता है। नशे से दूर रहकर अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाएँ। साथ ही अभिभावकों एवं समाज के सभी वर्गों से भी सहयोग की अपेक्षा की गई है कि वे इस अभियान में सहभागी बनें और नशा मुक्त समाज के निर्माण में योगदान दें।

साथ ही नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत पुलिस उप महानिरीक्षक सुश्री सविता सुहाने के नेतृत्व में विद्यार्थियो ने जन जागरूकता रैली निकाली तथा हमारा है यही संदेष, नषा मुक्त हो मध्यप्रदेष, नशे से दूरी है जरूरी जैसे नशा मुक्ति संबंधित अन्य नारे लगाए। कार्यक्रम में थाना प्रभारी श्री अरूण कुमार पाण्डेय सहित विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने ग्राम पंचायत चंगेरी में आधार कार्ड कैंप का किया निरीक्षण

अनूपपुर

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आज जनपद पंचायत कोतमा के ग्राम पंचायत भवन चंगेरी में आयोजित आधार कार्ड पंजीयन शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आधार पंजीयन की संपूर्ण प्रक्रिया को निकट से देखा और नागरिकों को मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान कलेक्टर श्री पंचोली ने अपने समकक्ष 4 वर्षीय बालक गौरव सिंह का आधार पंजीयन स्वयं की उपस्थिति में करवाया। उन्होंने बायोमेट्रिक विवरण, फोटो अपलोडिंग एवं दस्तावेज सत्यापन जैसी प्रक्रिया को बारीकी से समझा। कलेक्टर ने उपस्थित स्टाफ से शिविर में आने वाले नागरिकों को सहज, पारदर्शी एवं त्वरित सेवा उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया।

उन्होंने जिला ई-गवर्नेंस प्रबंधक श्री विकास सिंह को निर्देशित किया कि आधार पंजीयन शिविरों का आयोजन नियमित रूप से निर्धारित तिथि अनुसार किया जाए, ताकि अधिकतम नागरिकों का आधार पंजीयन सुनिश्चित हो सके। साथ ही उन्होंने जनसामान्य को समय पर सूचना देने एवं प्रचार-प्रसार बढ़ाने पर भी बल दिया। कलेक्टर श्री पंचोली ने कहा कि आधार कार्ड नागरिकों की पहचान का महत्वपूर्ण दस्तावेज है, अतः प्रत्येक पात्र नागरिक का पंजीयन समय पर किया जाना आवश्यक है। इस दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस श्री विकास सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं के लिए तैयार करें पाठ्यक्रम : राज्यपाल श्री पटेल

भोपाल

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं को पहचान कर विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम तैयार करें। उन्होंने प्रदेश में देश विदेश से निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल की सराहना की है। अपेक्षा की है कि निवेश परियोजना क्रियान्वयन के साथ ही उद्योग में रोजगार के लिए उपयुक्त अभ्यर्थी उपलब्ध कराने के लिए कोर्स प्रारम्भ करें, जिससे परियोजना शुरू होने के साथ ही आवश्यकता अनुसार स्थानीय स्तर के युवा उपलब्ध हो सकें। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज करेंसी का जमाना है, लेकिन स्किल (कौशल) ही करेंसी है, भारत इसे अच्छी तरह समझता है। इसीलिए हम नवाचार करते हुए कौशल विकास की ओर कदम बढ़ा रहे हैं। मध्यप्रदेश एक कृषि प्रधान और तेजी से बढ़ता राज्य है। इसीलिए हम खेती की पढ़ाई को सामान्य महाविद्यालयों तक लेकर गए हैं। अगर कोई युवा खेती में करियर बनाना चाहे तो उसे आधुनिक तकनीक की जानकारी होनी चाहिए। विश्वविद्यालयों के दायरे विस्तृत होने चाहिए। सभी कोर्स यहां से संचालित होने चाहिए। राज्यपाल श्री पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उक्त विचार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा विकसित मध्यप्रदेश ञ्च2047 'रोजगार आधारित शिक्षा-रूझान एवं नए अवसर' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही है। कार्यशाला का आयोजन बुधवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में किया गया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि राष्ट्रीय रोजगार आधारित शिक्षा-रूझान एवं नए अवसर कार्यशाला समय की आवश्यकता है। भविष्य की तैयारी का सशक्त मंच है। रोजगार केन्द्रित शिक्षा और विकसित भारत के निर्माण में प्रदेश के योगदान को बढ़ाने की प्रभावी पहल है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि शिक्षा समाज की रीढ़ है। यह समय के साथ तालमेल बैठाने, नवाचारों को अपनाने और नवीन अवसरों का लाभ उठाने के लिए व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को सक्षम बनाती है।

अनूपपुर

माननीय मंत्री श्री जायसवाल जी के प्रयास से 100 बिस्तर हॉस्पिटल के लिए 45 करोड़ रुपया कोतमा को प्राप्त हुए माननीय मंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद एवं आभार।

समग्र ई-केवायसी का कार्य पूरा करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में ग्रामीण एवं नगरीय निकायों की निकायवार समग्र ई-केवायसी के प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन नगरीय एवं ग्रामीण निकायों में समग्र ई-केवायसी का कार्य संतोषजनक नहीं है वे निकाय शीघ्रता के साथ कार्य को पूरा करें। बैठक में अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सोहागपुर श्री अरविंद शाह, सौम्या आनन्द, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती ज्योति परस्ते, श्री भागीरथी लहरे सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने किया आजीविका भवन बदरा में एनआरएलएम द्वारा स्थापित कराए गए सिलाई सेंटर का निरीक्षण

अनूपपुर

कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली ने आज अनूपपुर जिले के जनपद पंचायत अनूपपुर अंतर्गत मध्य प्रदेश डेङ्कराज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत संचालित आजीविका भवन सह प्रशिक्षण केंद्र बदरा में एनआरएलएम द्वारा स्थापित कराए गए सिलाई सेंटर का निरीक्षण किया। जिला परियोजना प्रबंधक ने बताया कि उक्त केंद्र आदिवासी वित्त विकास निगम अंतर्गत, मुख्यमंत्री अनुसूचित जनजाति विशेष परियोजना- वित्त पोषण योजना अंतर्गत वित्त पोषित है और जिले के समस्त चारों विकासखंडों में एक एक सिलाई केंद्र स्थापित किया गया है। कलेक्टर ने परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम को निर्देशित किया कि स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को सिलाई मशीन के माध्यम से सिलाई का प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें। उन्होंने कहा कि यह प्रशिक्षण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि महिलाओं को कुशल डिजाइनर कपड़े बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

कलेक्टर श्री पंचोली ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि भोपाल, इंदौर एवं अन्य स्थान के निजी कंपनियों से संपर्क कर उन्हें डिजाइनर कपड़े सिलने का ऑर्डर दिलाया जाए, जिससे महिलाओं को बाजार से सीधा जोड़कर उनकी आय में वृद्धि की जा सके। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयासों से ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं न केवल हुनरमंद बनेंगी, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने यह भी कहा कि अधिक से अधिक महिलाओं को इससे जोड़ा जाए ताकि उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। इस दौरान कलेक्टर ने अन्य विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, जिला परियोजना प्रबंधक समन्वयक एनआरएलएम श्री शशांक प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक डल्लू सोनी द्वारा सांई प्रिंटिस म. ने 19 जहांगीराबाद भोपाल म.प्र. मुद्रित एवं मजिस्ट्रेट बंगला वार्ड नं 09, जिला अनूपपुर मध्यप्रदेश से प्रकाशित। संपादक डल्लू सोनी, समाचार चयन के लिए पीआरवी एक्ट के तहत जिम्मेदार/न्यायालनी क्षेत्र अधिकार अनूपपुर होगा। मो. 9893798715